BRILLIANT BOOKS

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप

व्याकरण सुमन

4

व्याकरण सुमन

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप

4

अशोक कुमार गुप्ता
एम० ए०

BRILLIANT BOOKS

विषय-सूची

1.	भाषा और व्याकरण Language and Grammar	... 03
2.	वर्ण-विचार Phonology	... 06
3.	शब्द-विचार Morphology	... 11
4.	संज्ञा Noun	... 14
5.	लिंग Gender	... 17
6.	वचन Number	... 21
7.	सर्वनाम Pronoun	... 25
8.	विशेषण Adjective	... 29
9.	क्रिया और काल Verb and Tense	... 34
10.	अव्यय (अविकारी शब्द) Invariable Words	... 40
11.	विराम-चिह्न Punctuation	... 43
12.	वाक्य-विचार Syntax	... 47
13.	अशुद्धि-शोधन Error Correction	... 49
14.	पर्यायवाची शब्द Synonyms	... 52
15.	विलोम शब्द Antonyms	... 55
16.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द One Word Substitution	... 58
17.	मुहावरे Idioms	... 61
18.	संवाद-लेखन (वार्तालाप) Dialogue-Writing	... 65
19.	निबन्ध-लेखन Essay-Writing	... 68
20.	कहानी-लेखन Story-Writing	... 71
21.	पत्र-लेखन Letter-Writing	... 76
22.	अपठित गद्यांश Unseen Passage	... 79
▶	Periodic Test : Term-1	... 83
●	Half-Yearly Test Paper	... 84
▶	Periodic Test : Term-2	... 86
●	Annual Test Paper	... 87

BRILLIANT BOOKS

A-9, झिलमिल इण्डस्ट्रियल एरिया, दिलशाद गार्डन मेट्रो स्टेशन के पीछे, दिल्ली-110 095
email : info@brilliantbooks.co.in
www.brilliantbooks.co.in
Tollfree : 1800 270 1317

© प्रकाशकाधीन

कला कार्य
मलय चक्रवर्ती

प्रकाशक एवं मुद्रक
विद्या प्रकाशन मन्दिर प्रा० लि०

इस पुस्तक को यथासम्भव शुद्ध एवं त्रुटिरहित रूप में प्रस्तुत करने का प्रत्येक सम्भव प्रयास किया गया है; फिर भी इसमें कोई कमी अथवा त्रुटि रह गयी हो तो उससे कारित क्षति एवं सन्ताप के लिए लेखक, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा। प्राप्त सुझावों अथवा त्रुटियों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जायेगा।

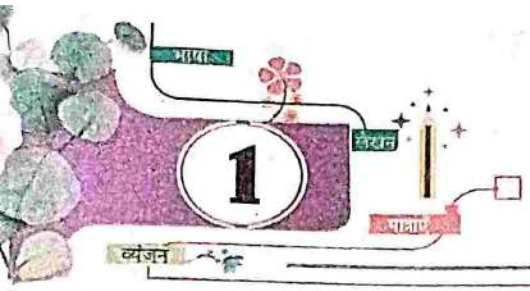

भाषा और व्याकरण
Language and Grammar

सभी प्राणियों के मस्तिष्क में समझने और समझाने की क्षमता होती है। इसी क्षमता के कारण कुछ पशु–पक्षियों की अपनी–अपनी बोलियाँ होती हैं और मनुष्यों की अलग–अलग भाषाएँ हैं। केवल मानव ही ऐसा प्राणी है जो भाषा के माध्यम से अपने मन के भावों को प्रकट कर सकता है और दूसरों के मन के भावों को जान सकता है। इसीलिए मानव द्वारा अपनी भाषा का सतत विकास किया गया।

निम्नांकित चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए—

1. बच्चों ने आइसक्रीमवाले से वनीला आइसक्रीम देने के लिए कहा। आइसक्रीमवाले ने उन्हें आइसक्रीम का मूल्य बताया। बच्चों ने पैसे दिए। आइसक्रीम वाले ने उन्हें आइसक्रीम दी।

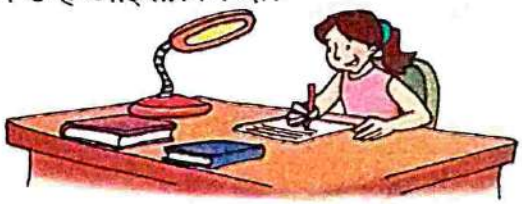

2. निकिता 'विद्यालय में मेरा पहला दिन' विषय पर निबन्ध लिख रही है।

3. दादा जी समाचार–पत्र पढ़ रहे हैं।

पहले चित्र में बच्चों ने बोलकर अपनी बात कही। आइसक्रीमवाले ने उनकी बात सुनकर आइसक्रीम दी। दूसरे चित्र में निकिता निबन्ध लिख रही है। तीसरे चित्र में दादा जी समाचार–पत्र में लिखे हुए समाचार पढ़ रहे हैं।

बोलना, सुनना, लिखना, पढ़ना—ये सभी कार्य भाषा के द्वारा हुए हैं। इन चारों को हम भाषा के चार कौशल कहते हैं।

भाषा के रूप

भाषा का मुख्य कार्य वक्ता की बात को दूसरों तक पहुँचाना है। भाषा के माध्यम से मनुष्य बोलकर ही नहीं लिखकर भी अपने विचार दूसरों तक पहुँचाता है। इस प्रकार, भाषा के निम्नलिखित दो रूप हुए—

1. मौखिक भाषा—इसके द्वारा हम मुख से बोलकर अर्थात् वाणी से अपनी बात दूसरों को समझाते हैं। नेतागण सभाओं में कथित भाषा का ही प्रयोग करते हैं।

2. लिखित भाषा—इसके द्वारा हम लिखकर अपने भाव और विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं। अध्यापक ब्लैकबोर्ड पर लिखकर अपनी बात को स्पष्ट रूप से समझाते हैं।

प्रमुख भाषाएँ

विश्व में सैकड़ों भाषाएँ बोली जाती हैं। जापान के लोग जापानी बोलते हैं, रूस के लोग रूसी बोलते हैं, चीन के लोग चीनी बोलते हैं, इंग्लैंड में लोग अंग्रेज़ी बोलते हैं। अरबी, फ़ारसी, स्पेनिश आदि संसार की अन्य भाषाएँ हैं। विश्व में कामकाज़ और सम्पर्क के लिए अंग्रेज़ी सबसे अधिक प्रयुक्त होती है।

हमारे देश के विभिन्न प्रान्तों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं। इनमें मुख्य भाषाएँ इस प्रकार हैं—

असमिया	तमिल	मणिपुरी	कश्मीरी	बांग्ला	मैथिली
गुजराती	मराठी	कन्नड़	पंजाबी	हिन्दी	संथाली
मलयालम	उर्दू	नेपाली	संस्कृत	डोगरी	ओड़िया
	तेलुगु	सिन्धी	कोंकणी	बोडो	

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है।

लिपि

भाषा का प्रारम्भिक रूप मौखिक था। यह केवल बोली जाती थी। धीरे-धीरे इसका लिखित रूप बना। इसकी ध्वनियों के लिए कुछ चिह्न बने। इस प्रकार भाषा ने लिखित रूप लिया। भाषा की ध्वनियों को जिन चिह्नों के द्वारा लिखा जाता है, उसे लिपि कहते हैं।

भाषा को लिखने का ढंग लिपि है। विश्व की प्रत्येक भाषा की अपनी-अपनी लिपि है। संस्कृत, हिन्दी, मराठी, गुजराती और नेपाली आदि भाषाओं की लिपि देवनागरी है। पंजाबी भाषा गुरुमुखी लिपि में लिखी जाती है। उर्दू की लिपि फ़ारसी है। अंग्रेज़ी रोमन लिपि में लिखी जाती है।

व्याकरण

भाषा और व्याकरण का गहरा सम्बन्ध होता है। भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण के अध्ययन से प्राप्त होता है। प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है।

ईशान साइकिल में स्कूल जाता है।

निकिता खाना बना रहे हैं।

व्याकरण से यह पता चलता है कि ये वाक्य अशुद्ध हैं। इनका शुद्ध रूप इस प्रकार है—

ईशान साइकिल से स्कूल जाता है।

निकिता खाना बना रही है।

वह शास्त्र जिससे भाषा के शुद्ध रूप और उसके प्रयोग का ज्ञान होता है, व्याकरण कहलाता है।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) व्याकरण हमें सिखाता है सही ढंग से—

(i) बोलना ◯ (ii) लिखना ◯ (iii) पढ़ना ◯ (iv) ये सभी ◯

(ख) पंजाबी भाषा की लिपि है—

(i) फ़ारसी ◯ (ii) गुरुमुखी ◯ (iii) देवनागरी ◯ (iv) रोमन ◯

(ग) कौन-सी भाषा देवनागरी लिपि में नहीं लिखी जाती है?

(i) हिन्दी ◯ (ii) संस्कृत ◯ (iii) तमिल ◯ (iv) मराठी ◯

(घ) विश्व में काम-काज और सम्पर्क के लिए सबसे अधिक प्रयुक्त होती है—

(i) चीनी ◯ (ii) अंग्रेज़ी ◯ (iii) जापानी ◯ (iv) रूसी ◯

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) मन के भावों को प्रकट करने का साधन ..... है।

(ख) भाषा को लिखने के लिए ..... की आवश्यकता होती है।

(ग) ..... के माध्यम से हम भाषा को शुद्ध रूप से बोलना और लिखना सीखते हैं।

(घ) ..... और ..... भाषा के दो रूप हैं।

3. इन भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए—

हिन्दी .....

अंग्रेज़ी .....

उर्दू .....

पंजाबी .....

4. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) भाषा क्या कार्य करती है?

(ख) भाषा के कितने रूप होते हैं? नाम बताइए।

(ग) लिपि किसे कहते हैं?

(घ) व्याकरण का क्या महत्त्व है?

2

वर्ण-विचार
Phonology

भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिसके खंड नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए और समझिए—

शोभित पतंग उड़ा रहा है।

राहुल विद्यालय जा रहा है।

ऊपर दिए गए प्रत्येक वाक्य में बहुत-से शब्द हैं जो कुछ ध्वनियों से बने हैं। हम प्रत्येक वाक्य से दो-दो शब्द लेते हैं—शोभित, पतंग, राहुल, विद्यालय। ये शब्द कई ध्वनियों से बने हैं—

शोभित = श् + ओ + भ् + इ + त् + अ

पतंग = प् + अ + त् + अ + ङ् + ग् + अ

राहुल = र् + आ + ह् + उ + ल् + अ

विद्यालय = व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

प्रत्येक शब्द के ध्वनि के अनुसार टुकड़े किए गए। इन टुकड़ों से सबसे छोटी ध्वनियों का पता चला। सबसे छोटी ध्वनियाँ ही वर्ण होती हैं।

वर्ण वह छोटी-से-छोटी ध्वनि है जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।

इन्हीं छोटे-छोटे वर्णों को मिलाकर हिन्दी की वर्णमाला बनती है।

वर्णमाला

हिन्दी भाषा के लेखन के लिए जो चिह्न (वर्ण) प्रयुक्त होते हैं, उनके क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला को दो भागों में बाँटा गया है—1. स्वर तथा 2. व्यंजन।

1. स्वर—ऐसी ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय फेफड़ों से निकलने वाली वायु कंठ से सीधे बाहर आ जाती है, स्वर कहलाती हैं।

हिन्दी में कुल ग्यारह स्वर हैं—

आ और ओ के बीच की ध्वनि ऑ को भी स्वरों में सम्मिलित कर लिया गया है। इसका प्रयोग अंग्रेज़ी से हिन्दी में आए अनेक शब्दों में होता है; जैसे—डॉक्टर, कॉलेज।

अं, अँ और अः न तो स्वर हैं और न ही व्यंजन हैं। इन्हें अयोगवाह कहते हैं। इनका प्रयोग स्वर के बाद तथा व्यंजन से पहले होता है; जैसे —

अं = अंगूर, पंछी, हंसा। अँ = ऊँट, आँख, चाँद। अः = अतः, पुनः, छः

स्वर के रूप

हिन्दी भाषा में स्वर दो तरह से लिखे जाते हैं—(क) मूल रूप में तथा (ख) मात्रा के रूप में।

(क) मूल रूप में—

अ — अनार, अगर
आ — आम, आदमी
इ — इधर, इमली
ई — ईख, ईर्ष्या
उ — उल्लू, उधर
ऊ — ऊपर, ऊन
ऋ — ऋतु, ऋण
ए — एक, एड़ी
ऐ — ऐसा, ऐनक
ओ — ओला, ओखली
औ — औरत, और

(ख) मात्रा के रूप में—प्रत्येक स्वर की एक मात्रा होती है। स्वर जब व्यंजन के साथ आते हैं तो मात्रा के रूप में आते हैं; जैसे—

क्रम	स्वर	मात्रा	मात्रा का प्रयोग	उदाहरण
1.	अ	नहीं होती	क् + अ = क	कर, चल
2.	आ	ा	क् + आ = का	काला, चाचा
3.	इ	ि	क् + इ = कि	किन, चिर
4.	ई	ी	क् + ई = की	कीट, जीत
5.	उ	ु	क् + उ = कु	कुछ, मुख
6.	ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूल, भूल
7.	ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृपण, गृह
8.	ए	े	क् + ए = के	केला, छेद
9.	ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैसा, पैसा
10.	ओ	ो	क् + ओ = को	कोयल, मनोहर
11.	औ	ौ	क् + औ = कौ	कौन, इकलौता

2. व्यंजन—ऐसी ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय फेफड़ों से निकलनेवाली वायु कंठ से सीधे बाहर नहीं आती, व्यंजन कहलाती हैं। इनके उच्चारण में वायु कंठ, जीभ, दाँत या ओठों में रुककर बाहर आती है। व्यंजनों को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। हिन्दी में तेंतीस व्यंजन होते हैं।

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह

संयुक्त व्यंजन—दो व्यंजनों को मिलाने से संयुक्त व्यंजन बनते हैं। इनके मिलने पर इन्हें अलग रूप में लिखा जाता है। ये मुख्य रूप से चार होते हैं; जैसे—

क्ष — क् + ष — क्षत्रिय, कक्षा
त्र — त् + र — चित्र, पत्र
ज्ञ — ज् + ञ — यज्ञ, ज्ञान
श्र — श् + र — श्री, आश्रम

संयुक्ताक्षर—दो व्यंजनों को मिलाने से संयुक्त अक्षर बनते हैं। यदि किसी शब्द में कोई अक्षर स्वररहित है तथा बाद का स्वरयुक्त है तो उन्हें मिलाकर लिखने के कुछ तरीके निम्नलिखित हैं; जैसे—

(1) पाई (ा) हटाकर—पाई (ा) अर्थात् वर्णों में आई सीधी रेखा; व्यंजन वर्णों को स्वररहित करने के लिए (ा) हटा दी जाती है; जैसे—

च → च
अच्छाई

म → म
सम्बन्ध

प → प
प्यारा

ग → ग
ग्यारह

(2) घुंडी (़) हटाकर—व्यंजनों के गोलाई वाले भाग को आधा हटाकर उसे स्वररहित रूप में दिखाया जाता है; जैसे—

क → क
पक्का

फ → फ
हफ्ता

(3) **हलन्त (्) लगाकर**—छोटे पाई वाले व्यंजनों के नीचे हलन्त लगाकर उन्हें स्वररहित रूप में लिखा जाता है; जैसे—

ट → ट्	ड → ड्	द → द्	ढ → ढ्	ह → ह्
छुट्टी	लड्डू	विद्या	धनाढ्य	चिह्न

र के रूप

हिन्दी वर्णमाला में 'र' एक ऐसा वर्ण है, जिसका अन्य व्यंजन के साथ संयोग होने पर उसका रूप भिन्न हो जाता है।

(क) स्वररहित र यानी 'र्' जब किसी अन्य व्यंजन के साथ संयुक्त होता है तो वह उस व्यंजन के ऊपर रेफ़ (र्‍) के रूप में लिखा जाता है; जैसे—

र् + म = र्म — कर्म, धर्म | र् + व = र्व — पर्व, गर्व

(ख) स्वरसहित 'र' का संयोग जब उससे पूर्व आए किसी स्वररहित व्यंजन से होता है, तो 'र' पदेन के रूप में (्र) उस व्यंजन के साथ जुड़ जाता है; जैसे—

प् + र = प्र — प्रकाश, प्रेम | भ् + र = भ्र — भ्रम, भ्रमण

(ग) स्वररहित ट, ठ, ड, ढ (ट्, ठ्, ड्, ढ्) के बाद स्वरसहित 'र' जुड़ने पर उसका रूप निम्नलिखित होता है। 'र' का यह रूप (्र) भी पदेन कहलाता है—

ट् + र = ट्र — ट्रेन, ट्रक | ड् + र = ड्र — ड्रामा, ड्रम

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या कहलाती है?

(i) शब्द ◯ (ii) वर्ण ◯ (iii) वाक्य ◯

(ख) 'अं, अँ, अः' किसके अन्तर्गत आते हैं?

(i) स्वर ◯ (ii) व्यंजन ◯ (iii) अयोगवाह ◯

(ग) 'क्ष' संयुक्त व्यंजन किनके मेल से बना है?

(i) क् + श ◯ (ii) क् + ष ◯ (iii) क् + स ◯

2. नीचे लिखे वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए—

(क) अ + न् + इ + र् + उ + द् + ध = ...

(ख) अ + ध् + य् + आ + प् + अ + क् + अ = ...

(ग) आ + ल् + ऊ = ...

(घ) र् + आ + म् + अ + न् + अ = ...

3. नीचे दिए गए शब्दों के स्वर और व्यंजन अलग-अलग कीजिए—

महिला = म् + अ + ह् + इ + ल् + आ

सैनिक = ...

नौकरानी = ...

लेखिका = ...

4. सही कथन के सामने सही (✓) का तथा गलत कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए—

(क) व्यंजनों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाती है। ☐

(ख) हिन्दी में स्वर दो प्रकार से लिखे जाते हैं। ☐

(ग) सभी स्वरों की मात्राएँ होती हैं। ☐

(घ) क्ष, त्र, ज्ञ और श्र संयुक्ताक्षर कहलाते हैं। ☐

(ङ) अनुनासिक का चिह्न 'ँ' है। ☐

5. निम्नलिखित संयुक्ताक्षर से आरम्भ होने वाले दो-दो शब्द लिखिए—

क्ष — ....

त्र — ....

ज्ञ — ....

श्र — ....

6. शब्दों को सही जगह पर लिखिए और ऐसा ही एक-एक शब्द अपनी ओर से भी लिखिए—

र	˚	⸝	^
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

प्रकाश, वर्षा, रस्सी, चरना, ट्रेन, पर्वत, ड्रामा, क्रिया

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वर्ण किसे कहते हैं?

(ख) वर्णमाला क्या है?

(ग) स्वर और व्यंजन में अन्तर बताइए।

3

शब्द-विचार
Morphology

दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए और समझिए—

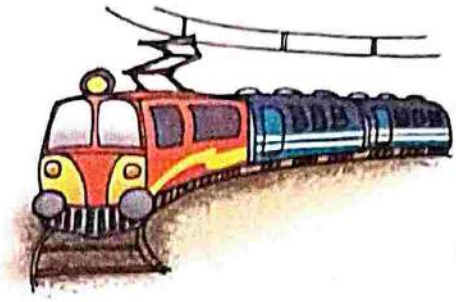

रेलगाड़ी

बाज़ार

लालकिला

ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे लिखे नाम शब्द हैं। ये शब्द वर्णों को मिलाकर बने हैं; जैसे—

रे + ल + गा + ड़ी = रेलगाड़ी।

अगर इन्हीं वर्णों को पलट दें, तो शब्द बनेगा— ड़ी + गा + ल + रे = ड़ीगालरे। इस शब्द का कोई अर्थ नहीं है।

रेलगाड़ी शब्द सार्थक यानी अर्थ के साथ है और ड़ीगालरे शब्द निरर्थक यानी अर्थ के बिना है।

इस प्रकार, शब्द वही होते हैं, जिनका कोई-न-कोई अर्थ होता है।

शब्द के भेद

हिन्दी भाषा में शब्दों को दो आधारों पर बाँटा गया है—

1. अर्थ के आधार पर
2. प्रयोग के आधार पर

1. अर्थ के आधार पर शब्द-भेद

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं—

(क) सार्थक शब्द—ऐसे शब्द जिनका कोई-न-कोई अर्थ अवश्य होता है, सार्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे—मानव, पानी, खाना, दौड़ना आदि।

(ख) निरर्थक शब्द—ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता है, निरर्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे—वानव, वानी, वाना, वौड़ना आदि।

2. प्रयोग के आधार पर शब्द-भेद

प्रयोग अथवा रूपान्तर की दृष्टि से शब्द दो प्रकार के होते हैं—

(क) विकारी शब्द—इन शब्दों का रूप लिंग, वचन, पुरुष और कारक के अनुसार बदलता है; जैसे—

लड़की रस्सी कूद रही है। *(एकवचन)*
लड़कियाँ गीत गा रही हैं। *(बहुवचन)*

विकारी शब्दों में निम्नलिखित चार प्रकार के शब्द आते हैं—

1. संज्ञा 2. सर्वनाम 3. विशेषण 4. क्रिया

(ख) अविकारी शब्द—इन शब्दों का रूप प्रयोग करते समय नहीं बदलता तथा ये अपने मूल रूप में बने रहते हैं। ऐसे शब्दों को अव्यय कहते हैं; जैसे—आजकल, के लिए, इसलिए, अरे आदि।

अविकारी शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं—

1. क्रियाविशेषण, 2. सम्बन्धबोधक, 3. समुच्चयबोधक, 4. विस्मयादिबोधक।

इस प्रकार प्रयोग की दृष्टि से शब्दों के आठ भेद हो गए। इनका आगामी अध्यायों में विस्तार से वर्णन किया गया है।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) वर्णों के सार्थक मेल को कहते हैं—
(i) शब्द ◯ (ii) शब्द माला ◯ (iii) वाक्य ◯

(ख) अर्थ के आधार पर शब्द के भेद हैं—
(i) दो ◯ (ii) तीन ◯ (iii) चार ◯

(ग) सार्थक शब्द है—
(i) वानव ◯ (ii) मानव ◯ (iii) वनमा ◯

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) दो या दो से अधिक ..... के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

(ख) ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता है, ... शब्द कहलाते हैं।

(ग) अविकारी शब्द को ..... भी कहते हैं।

(घ) ..... शब्दों का रूप लिंग, वचन, पुरुष और कारक के अनुसार बदलता है।

3. नीचे बॉक्स में लिखे शब्दों में से निरर्थक शब्द छाँटकर उनसे सार्थक शब्द बनाइए—

निरर्थक शब्द		सार्थक शब्द
.....	नीपा, इलीम, डालडा,	.....
.....	अमन, सरकस, जोकर,	.....
.....	काली, तभार, खिड़की,	.....
.....	टटमार, लूआ, करेला,	.....
.....	बिजली, थीमे	.....
.....		.....
.....		.....

4. सही वाक्यों के सामने सही (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने **गलत (✗) का चिह्न लगाइए—**

(क) वर्णों के मेल से शब्द नहीं बनते है। ☐

(ख) वर्णों के सार्थक समूह को वर्ण कहते हैं। ☐

(ग) अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद हैं। ☐

(घ) अविकारी शब्दों को अव्यय भी कहते हैं। ☐

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) शब्द किसे कहते हैं?

(ख) विकारी और अविकारी शब्दों से क्या आशय है?

4 संज्ञा
Noun

इस संसार में अनेक प्राणी, वस्तुएँ, स्थान या भाव होते हैं। उन सबका कोई-न-कोई नाम अवश्य होता है। जो शब्द इन नामों का बोध करवाते हैं, वे संज्ञा कहलाते हैं।

सर्दी के दिन थे। एक दिन नमन और रेनू अपने माता-पिता के साथ चिड़ियाघर गए। उन्होंने वहाँ भालू, शेर, चीता, जिराफ, बन्दर, मगरमच्छ आदि देखे। जब वे बन्दरों के पिंजरे के पास पहुँचे तब बन्दर मूँगफली खा रहे थे। रीमा ने बन्दरों को केले दिए। सभी के चेहरों पर खुशी थी।

इन वाक्यों में रंगीन छपे शब्द नाम हैं। इन्हीं नामों को संज्ञा कहा जाता है। यानी नाम ही संज्ञा हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद होते हैं—

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)
2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)
3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा—जिन शब्दों से किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम का बोध होता है, व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—

महात्मा गांधी

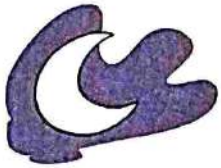

चन्द्रमा

ताजमहल

—ये सभी विशेष व्यक्ति या स्थानों के नाम हैं। ऐसे नामों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा—जिन शब्दों से किसी जाति के सभी प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध होता है, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—

डॉक्टर

नाव

तितली

—ये सभी एक जाति के प्राणियों/वस्तुओं का बोध कराते हैं।

3. भाववाचक संज्ञा—जिन शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु के भाव, गुण-दोष, दशा का बोध होता है, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—

मित्रता

बुढ़ापा

प्रार्थना

—इन शब्दों से भाव अथवा अवस्था का बोध होता है।

प्राचीन वैयाकरणों के अनुसार, संज्ञा के केवल यही तीन भेद माने गए हैं किन्तु हिन्दी के कुछ विद्वान अंग्रेज़ी व्याकरण के अनुरूप दो और भेद मानते हैं—द्रव्यवाचक संज्ञा और समूहवाचक संज्ञा। वस्तुत: ये दोनों जातिवाचक संज्ञा के उपभेद हैं। किन्तु फिर भी इन दोनों के विषय में यहाँ चर्चा करना उचित है।

(क) द्रव्यवाचक संज्ञा—जिन शब्दों से किसी द्रव्य, धातु अथवा पदार्थ का बोध होता है, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—

दूध

लकड़ी

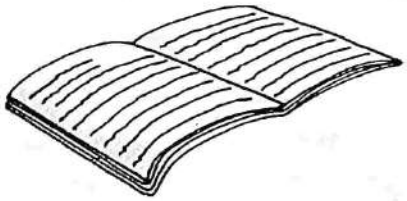

कागज

उपर्युक्त शब्द दूध, लकड़ी, कागज क्रमश: द्रव्य एवं पदार्थ हैं। इसलिए ये द्रव्यवाचक संज्ञाएँ हैं।

(ख) समूहवाचक संज्ञा—जिन शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु के समूह या समुदाय का बोध होता है, समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे—

गुच्छा

झुंड

कक्षा

—ये सभी शब्द समूहवाचक संज्ञाएँ हैं।

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) वे संज्ञा शब्द जो किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं, क्या कहलाते हैं?
(i) जातिवाचक ( ) (ii) व्यक्तिवाचक ( ) (iii) भाववाचक ( )

(ख) भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है—
(i) बचपन ( ) (ii) मन्दिर ( ) (iii) सूर्य ( )

(ग) 'सेना' किस प्रकार की संज्ञा का उदाहरण है?
(i) व्यक्तिवाचक ( ) (ii) जातिवाचक ( ) (iii) समूहवाचक ( )

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा का उदाहरण है—
(i) नौका ( ) (ii) दूध ( ) (iii) नदी ( )

2. नीचे दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए—

(क) कुत्ते ने चोर को पकड़ा। ....
(ख) गंगा पर्वत से निकलती है। ....
(ग) डाकिया सरकारी नौकर है। ....
(घ) जंगल में शेर दहाड़ रहा है। ....
(ङ) आम में मिठास है। ....
(च) फूलों की सुगन्ध चारों ओर फैल गई। ....

3. संज्ञा शब्दों को उनके सही स्थान में लिखिए—

थैला कुतुबमीनार लालच लड़की माँ राजीव खुशी हिमालय गंगा क्रोध बुढ़ापा तोता

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

4. यदि आप नीचे लिखी स्थितियों में होते तो आपके मन में कैसे भाव आते? नीचे लिखे वाक्यों को देखकर लिखिए—

(क) कक्षा में प्रथम आने पर .....
(ख) पुस्तक खो जाने पर .....
(ग) खेल में हार जाने पर .....

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संज्ञा की परिभाषा लिखिए तथा उदाहरण दीजिए।
(ख) संज्ञा के कितने भेद हैं? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण भी लिखिए।

5

लिंग
Gender

सभी संज्ञा शब्द (प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव) स्त्री या पुरुष-जाति के होते हैं। संज्ञा शब्द के जिस रूप से स्त्री या पुरुष-जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

रजत के जन्मदिन पर उसके दादा-दादी, चाचा-चाची, मामा-मामी सभी आए। रजत ने केक काटा और अपने बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लिया।

इन वाक्यों में,

रजत, दादा, चाचा, मामा → पुरुष-जाति के शब्द हैं।
दादी, चाची, मामी → स्त्री-जाति के शब्द हैं।

लिंग के प्रकार

हिन्दी भाषा में लिंग के दो प्रकार हैं—1. पुल्लिग (Masculine) तथा 2. स्त्रीलिंग (Feminine)।

1. पुल्लिग—पुरुष-जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते हैं; जैसे—

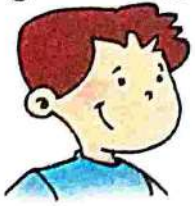
लड़का

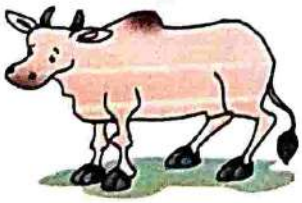
बैल

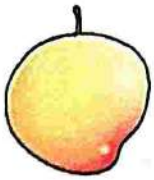
आम

फूल

छाता

2. स्त्रीलिंग—स्त्री-जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे—

लड़की

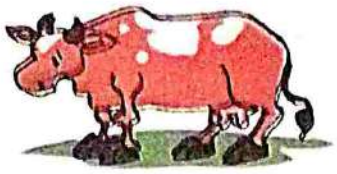
गाय

घड़ी

कुर्सी

पुस्तक

यह भी जानिए—

कुछ शब्द हमेशा पुल्लिग होते हैं; जैसे—

- पेड़, पैर, सोना, माला, पतंग
- पलंग, झरना, बगीचा, कमरा
- जूता, स्कूल, दूध, हलवा
- पंखा, सूरज, ताला, पहाड़
- गिलास, गुब्बारा

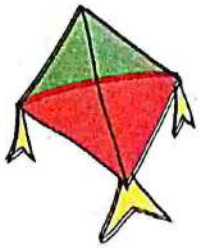

कुछ शब्द हमेशा स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे—

- घास, आँख, नाली, डोर, नदी
- क्यारी, मलाई, खीर, तितली
- चाबी, कटोरी, थाली, गाजर
- माला, कुर्सी, सड़क, बिल्ली

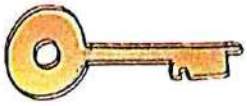

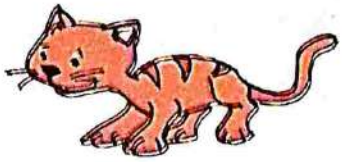

कुछ शब्द स्त्री व पुरुष दोनों के लिए समान रूप से प्रयोग में लाए जाते हैं; जैसे—डॉक्टर, प्रधानमन्त्री, मन्त्री, इन्जीनियर, प्रोफ़ेसर आदि।

पुल्लिग-स्त्रीलिंग के नियम सहित कुछ उदाहरण देखिए—

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
आ	ई
चाचा	चाची
मामा	मामी
नाना	नानी
दादा	दादी
लड़का	लड़की
मुर्गा	मुर्गी

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
अ/आ/ई	इन
पड़ोसी	पड़ोसिन
ग्वाला	ग्वालिन
मालिक	मालकिन
लुहार	लुहारिन
नाग	नागिन
माली	मालिन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अ	नी/आनी
जेठ	जेठानी
सिंह	सिंहनी
मोर	मोरनी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आ	इया
चूहा	चुहिया
गुड्डा	गुड़िया
बूढ़ा	बुढ़िया

क	इका
गायक	गायिका
शिक्षक	शिक्षिका
लेखक	लेखिका
बालक	बालिका
पाठक	पाठिका
अध्यापक	अध्यापिका
सेवक	सेविका

नर	मादा
पति	पत्नी
बैल	गाय
भाई	बहन
विद्वान	विदुषी
सम्राट	सम्राज्ञी
श्रीमान	श्रीमती
कवि	कवयित्री

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) 'मेरी दादी बड़ा सयानी है।' इसमें कौन-सा शब्द गलत है?

(i) सयानी ( ) (ii) बड़ा ( ) (iii) दादी ( )

(ख) कौन-सा स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द है?

(i) नेता ( ) (ii) माली ( ) (iii) सेविका ( )

(ग) कौन-सा जोड़ा गलत है?

(i) बन्दर-बन्दरी ( ) (ii) घोड़ा-घोड़ी ( ) (iii) बकरा-बकरी ( )

(घ) कौन-सा पुल्लिंग संज्ञा शब्द है?

(i) नदी ( ) (ii) सागर ( ) (iii) झील ( )

2. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

(क) जंगल में हाथियों का झुंड घूम रहा है। .....

(ख) यह गायिका बहुत सुरीला गाती है। .....

(ग) पंडित जी पूजा कर रहे हैं। .....

(घ) छात्र पाठशाला जा रहे हैं। ....

(ङ) बिल्ली सारा दूध चट कर गई। ....

3. टोकरी में से पुल्लिग और स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर दिए गए फूलों में भरिए—

4. दिए गए शब्दों का स्त्रीलिंग या पुल्लिग रूप रिक्त स्थान में लिखिए—

स्त्रीलिंग	पुल्लिग
....	सिंह
....	पुरुष
अध्यापिका	....
लुहारिन	....
....	जेठ

5. रेखा खींचकर बताइए कि ये शब्द स्त्रीलिंग हैं या पुल्लिग—

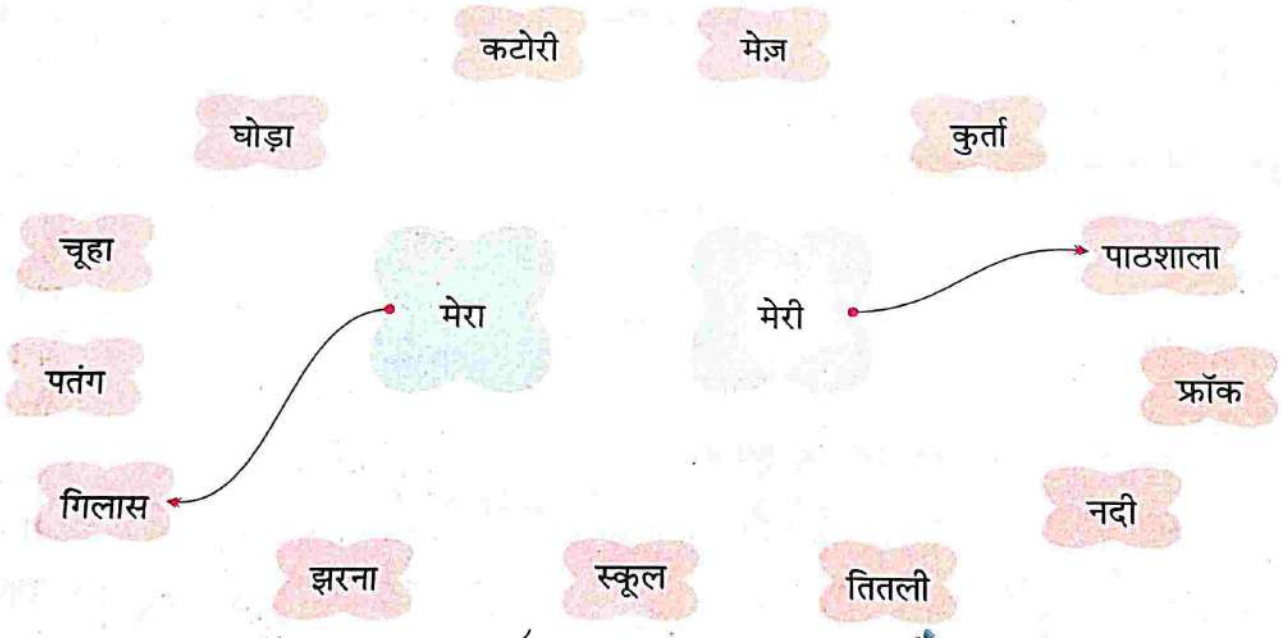

6

वचन
Number

शब्द के जिस रूप से संज्ञा के एक या एक से अधिक (अनेक) होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

बच्चा गाना गा रहा है।

बच्चे गाना गा रहे हैं।

चिड़िया उड़ रही है।

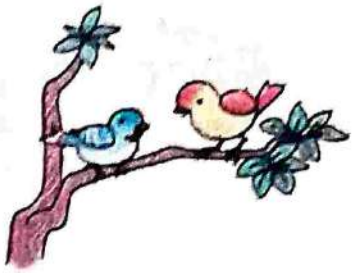

चिड़ियाँ डाल पर बैठी हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में आपने देखा और जाना कि बच्चा और चिड़िया शब्द एक के लिए तथा बच्चे और चिड़ियाँ शब्द अनेक के लिए यानी एक से अधिक के लिए प्रयोग किए गए हैं।

यही एक और अनेक संख्या का अन्तर बताने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।

वचन के भेद

वचन दो प्रकार के होते हैं—एकवचन (Singular) और बहुवचन (Plural)।

1. **एकवचन**—शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चले उसे एकवचन कहते हैं; जैसे—ताला, बच्चा, पंखा, माला आदि।

2. **बहुवचन**—शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चले उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे—ताले, बच्चे, पंखे, मालाएँ आदि।

आइए, अब कुछ शब्दों के एकवचन और बहुवचन रूपों को देखें और समझें—

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
आ	ए	आ	ए
बच्चा	बच्चे	घड़ा	घड़े
ताला	ताले	पत्ता	पत्ते
कमरा	कमरे	पैसा	पैसे
पंखा	पंखे	तकिया	तकिये
जूता	जूते	गधा	गधे
चूहा	चूहे	तारा	तारे

एकवचन	बहुवचन
अ	ऐं
किताब	किताबें
मेज़	मेज़ें
रात	रातें
सड़क	सड़कें
पुस्तक	पुस्तकें
बात	बातें
डाल	डालें
आँख	आँखें
नाव	नावें
चादर	चादरें
आ	आँ
चिड़िया	चिड़ियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ
डिबिया	डिबियाँ

एकवचन	बहुवचन
आ/उ/ऊ	एँ
माला	मालाएँ
कला	कलाएँ
वस्तु	वस्तुएँ
बहू	बहुएँ
ई	इयाँ
मिठाई	मिठाइयाँ
दवाई	दवाइयाँ
नदी	नदियाँ
दरी	दरियाँ
रोटी	रोटियाँ
तितली	तितलियाँ
मक्खी	मक्खियाँ
मछली	मछलियाँ
कहानी	कहानियाँ

- आदर देने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है; जैसे—
  - गांधी जी महान थे।
  - माता जी आ रही हैं।

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) कौन-सा पदबन्ध गलत है?

(i) दो लट्टू ◯ (ii) दो कपड़े ◯ (iii) दो बहू ◯ (iv) दो मकान ◯

(ख) कौन-सा वाक्य गलत है?

(i) लड्डू खाया ◯ (ii) लड्डू खाए ◯ (iii) लीची खाई ◯ (iv) लीचियाँ खाईं ◯

(ग) कौन-सा बहुवचन शब्द गलत है?

(i) माताएँ ◯ (ii) कलाएँ ◯ (iii) मालाएँ ◯ (iv) नेताएँ ◯

2. नीचे दिए गए शब्दों को उचित खानों में लिखिए—

घंटा, बेटियाँ वृक्ष, गायें, बस, गाड़ियाँ, बहन, सब्जियाँ, भाषाएँ, प्रार्थना, मिठाई, बकरियाँ

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

3. रेखांकित शब्दों के उचित वचन पर ✓ लगाइए—

(क) पेड़ झूम रहा था। एकवचन ◯ बहुवचन ◯

(ख) घर बन गया। एकवचन ◯ बहुवचन ◯

(ग) फूल खिल गए। एकवचन ◯ बहुवचन ◯

(घ) हाथी जा रहा था। एकवचन ◯ बहुवचन ◯

(ङ) बादल घिर आए। एकवचन ◯ बहुवचन ◯

4. शब्दों के बहुवचन-रूप लिखिए—

(क) मिठाई — .....मिठाइयाँ.....

(ख) तितली — .....

(ग) चिट्ठी — .....

(क) खरबूजा — .....खरबूजे.....

(ख) लड़का — .....

(ग) पंखा — .....

(क) सड़क — .....सड़कें.....

(ख) बात — .....

(ग) आँख — .....

(क) भाषा — .....भाषाएँ.....

(ख) कक्षा — .....

(ग) ऋतु — .....

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर निम्नलिखित वाक्यों के खाली स्थान भरिए—

(क) कमरे में .....पढ़ रहा है। (बच्चा / बच्चे)

(ख) आकाश में .....उड़ रही हैं। (पतंगें / पतंग)

(ग) अलमारी में सुन्दर .....रखी हैं। (साड़ियाँ / साड़ी)

(घ) सामने .....की दुकान है। (दवाइयों / दवाई)

(ङ) हवा चलने पर .....उड़ने लगे। (पत्ता / पत्ते)

6. रंगीन शब्द का वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

(क) चूहा कागज़ कुतर रहा था। .....

(ख) बच्चे गीत गाने लगे। .....

(ग) मौसी खिलौना लाईं। .....

(घ) पेड़ से पत्ता नीचे गिर रहा है। .....

(ङ) बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था। .....

7. नीचे दिए गए वाक्यों में गलत संज्ञा शब्दों का प्रयोग हुआ है। उन शब्दों के सही वचन का प्रयोग करते हुए वाक्य दोबारा लिखिए—

(क) पार्क में अनेक बच्चा खेल रहा है। .....

(ख) आसमान में कई चिड़िया उड़ रही हैं। .....

(ग) बालिका बाज़ार जा रही हैं। .....

(घ) नमन के पास बहुत-सा खिलौना हैं। .....

(ङ) मिठाइयों पर मक्खी भिनभिना रही हैं। .....

8. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वचन हमें किस बात का बोध कराते हैं?

(ख) वचन कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

9. आप जानते हैं कि शब्दों के वचन-रूप अलग-अलग तरीके से बनते हैं; जैसे—

बस्ता ⟶ बस्ते

माला ⟶ मालाएँ

पुस्तक ⟶ पुस्तकें

नदी ⟶ नदियाँ

एक तरीके से बहुवचन-रूप बनने वाले शब्दों के फूलों में एक ही रंग भरिए—

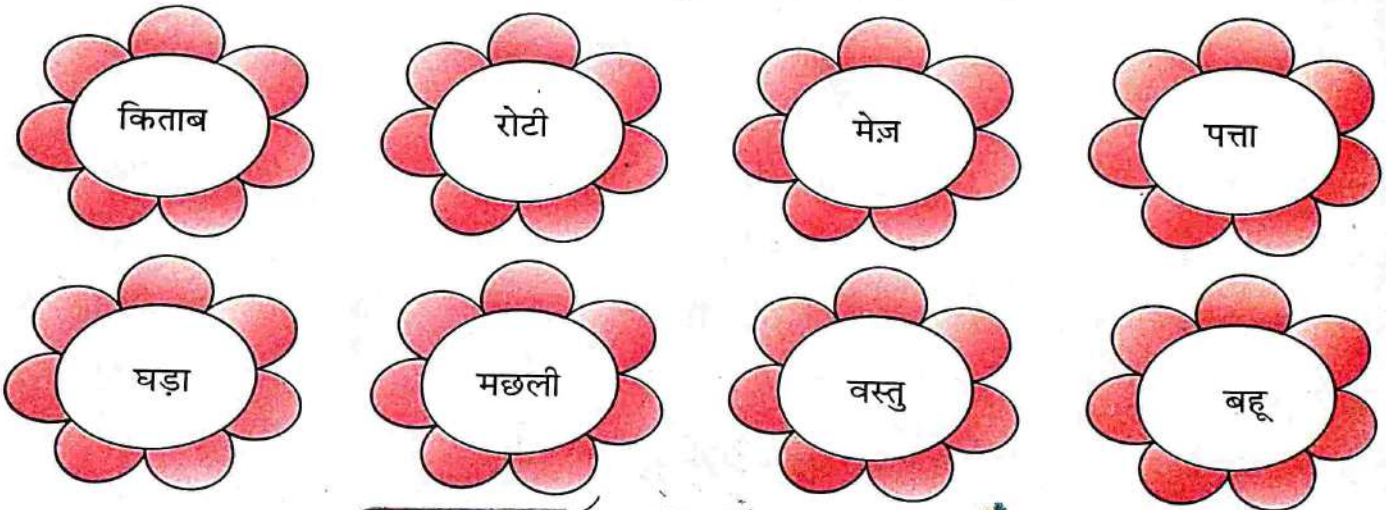

7

सर्वनाम
Pronoun

जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम का अर्थ है— सब नामों के लिए। नाम या संज्ञा शब्दों का प्रयोग बार-बार न करना पड़े तथा भाषा सुन्दर लगे, इसलिए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

अंजलि ने निकिता से कहा,
मैं स्कूल जा रही हूँ।

मैडम ने ईशान से पूछा,
तुम क्या कर रहे हो?

शिवानी ने अच्छा गीत गाया।
वह एक गायिका है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में अंजलि, ईशान और शिवानी के नाम के स्थान पर क्रमशः मैं, तुम और वह शब्दों का प्रयोग किया गया है। ऐसे शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम शब्दों के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं—

मैं	→ मैंने	मुझे	मुझसे	मेरा
तुम	→ तुमने	तुम्हें	तुमसे	तुम्हारा
आप	→ आपने	आपको	आपसे	आपका
हम	→ हमने	हमें	हमसे	हमारा
वह	→ उसने	उसे	उससे	उसका
वे	→ उन्होंने	उन्हें	उनसे	उनका

कुछ और सर्वनाम—यह, ये, वह, वे, इसे, इसका, इन्हें, इनका आदि।

अगर संज्ञा एकवचन है तो सर्वनाम भी एकवचन में होगा। बहुवचन संज्ञा शब्दों की जगह सर्वनाम भी बहुवचन-रूप में आते हैं; जैसे—

एकवचन	बहुवचन
यह	ये
वह	वे
उसने	उन्होंने

एकवचन	बहुवचन
मैं	हम
उसे	उन्हें
इसे	इन्हें

सर्वनाम के भेद

हिन्दी भाषा में सर्वनाम के छः भेद हैं—

1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)
2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronoun)
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)
5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)
6. निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)

1. पुरुषवाचक सर्वनाम—जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले और अन्य व्यक्तियों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—

मैंने अपना काम कर लिया है। तुम अपना काम कर चुके? वह अपना काम कर रहा है।

इस प्रकार इसके तीन उपभेद होते हैं—

(क) उत्तम पुरुष — मैं, हम *(कहने वाला)* (ख) मध्यम पुरुष — तू, तुम *(सुनने वाला)*

(ग) अन्य पुरुष — वह, वे *(अन्य व्यक्ति)*

अन्य शब्द—मेरा, आप, तुम्हारा, हमारा, हम, तुमने, मैंने आदि।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम—जिस सर्वनाम शब्द से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु के बारे में पता चले, वह निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाता है; जैसे—यह घर, वह व्यक्ति, इसने, उसने आदि। ये शब्द निश्चित वस्तु या प्राणी की ओर संकेत करते हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम—ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की जानकारी नहीं देते, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—

(क) देखो, कोई इधर आ रहा है। (ख) दूध में कुछ पड़ा हुआ है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम—जो सर्वनाम शब्द प्रश्न पूछने के काम आते हैं, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—

(क) तुम्हारे घर कौन आया है? (ख) आपको किससे बात करनी है?

5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम—वे सर्वनाम शब्द जो वाक्य में आने वाले दूसरे सर्वनाम शब्द से जुड़े होते हैं, सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—

(क) जिसकी लाठी उसकी भैंस। (ख) जैसा करेगा वैसा भरेगा।

6. निजवाचक सर्वनाम—जो शब्द काम करने वाला (कर्ता) अपने लिए प्रयोग करता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—

(क) मैं स्वयं पत्र लिख दूँगा। (ख) तुम अपने आप सामान उठा लो।

यह भी जानिए :

आदर देने के लिए तथा एक व्यक्ति के लिए सर्वनाम के बहुवचन-रूप का प्रयोग करते हैं; जैसे—

- दादा जी, आप कहाँ गए थे?
- गांधी जी महान थे। वे बापू के नाम से जाने जाते हैं।
- पिता जी, आप लौट आए!

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) ईशान ने देव से कहा कि मैं निकिता को जानता हूँ। यहाँ मैं किसके लिए आया है?

(i) देव ( ) (ii) ईशान ( ) (iii) निकिता ( )

(ख) शिवानी यह काम स्वयं कर लेगी। यहाँ 'स्वयं' कौन-सा सर्वनाम है?

(i) निजवाचक ( ) (ii) पुरुषवाचक ( ) (iii) निश्चयवाचक ( )

(ग) ..... मेरा भाई है। इस वाक्य में कौन-सा शब्द नहीं आएगा?

(i) यह ( ) (ii) तू ( ) (iii) कोई ( )

(घ) तुम्हें यहाँ किसने बुलाया है? 'किसने' कौन-सा सर्वनाम है?

(i) सम्बन्धवाचक ( ) (ii) प्रश्नवाचक ( ) (iii) अनिश्चयवाचक ( )

2. नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्दों पर घेरा (◯) लगाइए और उनके भेद बताइए—

(क) आज वह उपवास रखेगी। .....

(ख) डिब्बे में क्या है? .....

(ग) जो करेगा सो भरेगा। .....

(घ) यह मेरा सहपाठी है। .....

(ङ) तुम अपना कार्य स्वयं कर लो। .....

(च) बाज़ार से कुछ लेते आना। .....

3. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति सर्वनाम शब्दों से कीजिए—

(क) देखो, वहाँ ..... है।

(ख) दूध मे ..... गिर गया है।

(ग) यह किताब ..... है?

(घ) आज ..... दिल्ली जाएगा।

(ङ) क्या ..... भूख लगी है?

(च) ..... कुछ नहीं किया।

4. सर्वनाम शब्दों पर घेरा (◯) लगाइए और लिखिए तथा यह भी बताइए कि वे किस संज्ञा शब्द के लिए आए हैं?

	वाक्य	सर्वनाम	संज्ञा-शब्द
(क)	बच्चों ने काफ़ी सैर की। वे थक गए।	वे	बच्चों
(ख)	तापसी बहुत अच्छी लड़की है। उसने मेरी मदद की।	.....	.....
(ग)	जब राजू ने गेंद फेंकी तो वह नाली में जा गिरी।	.....	.....
(घ)	दादा जी गिर गए। उन्हें काफ़ी चोट आई।	.....	.....
(ङ)	मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। उसके पंख बहुत सुन्दर होते हैं।	.....	.....

5. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उचित सर्वनाम शब्दों से खाली स्थान भरिए—

अपना काम ..... करना चाहिए

तुम ..... से आ रहे हो?

..... बोया ..... काटा।

6. नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनामों का प्रयोग करके वाक्यों को दोबारा लिखिए—

राम एक अच्छा लड़का है। राम अपना कार्य समय पर करता है। राम का एक मित्र श्याम है। श्याम बहुत आलसी है। श्याम कभी भी अपना कार्य समय से नहीं करता है। रानी श्याम की बहिन है। रानी बहुत होशियार है। रानी और श्याम साथ-साथ खेलते हैं। रानी और श्याम अपने माता-पिता के लाडले हैं।

7. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) सर्वनाम के भेद लिखिए।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखिए।

(ग) सर्वनाम का कौन-सा भेद स्वयं के लिए प्रयुक्त होता है?

3. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति सर्वनाम शब्दों से कीजिए—

(क) देखो, वहाँ ..... है।

(ख) दूध में ..... गिर गया है।

(ग) यह किताब ..... है?

(घ) आज ..... दिल्ली जाएगा।

(ङ) क्या ..... भूख लगी है?

(च) ..... कुछ नहीं किया।

4. सर्वनाम शब्दों पर घेरा (◯) लगाइए और लिखिए तथा यह भी बताइए कि वे किस संज्ञा शब्द के लिए आए हैं?

वाक्य	सर्वनाम	संज्ञा-शब्द
(क) बच्चों ने काफ़ी सैर की। वे थक गए।	वे	बच्चों
(ख) तापसी बहुत अच्छी लड़की है। उसने मेरी मदद की।	.....	.....
(ग) जब राजू ने गेंद फेंकी तो वह नाली में जा गिरी।	.....	.....
(घ) दादा जी गिर गए। उन्हें काफ़ी चोट आई।	.....	.....
(ङ) मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। उसके पंख बहुत सुन्दर होते हैं।	.....	.....

5. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उचित सर्वनाम शब्दों से खाली स्थान भरिए—

अपना काम ..... करना चाहिए

तुम ..... से आ रहे हो?

..... बोया ..... काटा।

6. नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनामों का प्रयोग करके वाक्यों को दोबारा लिखिए—

राम एक अच्छा लड़का है। राम अपना कार्य समय पर करता है। राम का एक मित्र श्याम है। श्याम बहुत आलसी है। श्याम कभी भी अपना कार्य समय से नहीं करता है। रानी श्याम की बहिन है। रानी बहुत होशियार है। रानी और श्याम साथ-साथ खेलते हैं। रानी और श्याम अपने माता-पिता के लाडले हैं।

7. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) सर्वनाम के भेद लिखिए।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखिए।

(ग) सर्वनाम का कौन-सा भेद स्वयं के लिए प्रयुक्त होता है?

8

विशेषण
Adjective

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता या गुण बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

रोहित अपने मित्रों के साथ एक सुन्दर पिकनिक स्थल पर गया। वहाँ चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे और कुछ पक्षी मीठी आवाज़ में चहचहा रहे थे। वे सभी एक छायादार वृक्ष के नीचे घास पर बैठ गए। घास हरी और नरम थी। सबने मिलकर स्वादिष्ट भोजन किया और ठंडा शरबत पिया।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द दूसरे शब्दों (संज्ञा या सर्वनाम) की विशेषता या गुण बता रहे हैं; जैसे—

संज्ञा-शब्द	विशेषण
पिकनिक	सुन्दर
फूल	रंग-बिरंगे
पक्षी	कुछ
पक्षियों की आवाज़	मीठी
वृक्ष	छायादार
घास	हरी और नरम
भोजन	स्वादिष्ट
शरबत	ठंडा

विशेष्य—वे संज्ञा या सर्वनाम शब्द जिनकी विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे—

रंग-बिरंगी → विशेषण

तितली → विशेष्य

वीर → विशेषण

बालक → विशेष्य

विशेषण के भेद

विशेषण के चार भेद होते हैं—

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण—वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, आकार, रंग-रूप और अवस्था आदि बताते हैं, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे—

बीमार युवक आराम कर रहा है।

वह एक वीर सिपाही है।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में रंगीन शब्द गुणवाचक विशेषण हैं।

अन्य उदाहरण—सुन्दर, गुलाबी, ऊँचा, गोल, मोटा, काला, कायर, बहादुर, परिश्रमी, कामचोर, स्वस्थ, दुर्बल आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण—जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या या गिनती बताते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे—

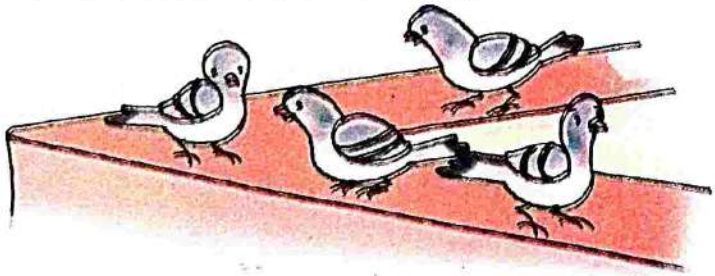

छत की मुँड़ेर पर चार कबूतर बैठे हैं।

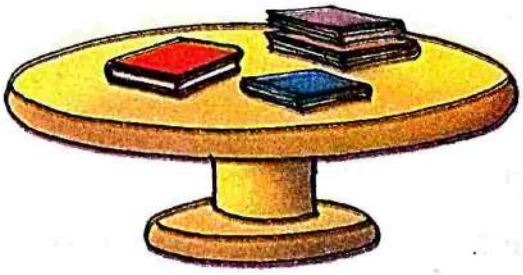

कुछ पुस्तकें मेज़ पर रखी हैं।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में रंगीन शब्द संख्यावाचक विशेषण हैं।

अन्य उदाहरण—कुछ कपड़े, दो आदमी, कई गमले, दस सेब, पाँच पक्षी आदि।

- जिन प्राणियों या वस्तुओं को हम गिन सकते हैं, वे सभी संख्यावाचक विशेषण में आते हैं।

3. परिमाणवाचक विशेषण—परिमाण का अर्थ है—माप-तौल। संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का माप-तौल बताने वाले विशेषण शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे—

मुझे दो लीटर दूध दे दो।

मुझे चार किलो आटा दे दो।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में रंगीन शब्द परिमाणवाचक विशेषण हैं।

अन्य उदाहरण—थोड़ा पानी, दो किलोमीटर रास्ता, तीन लीटर तेल, एक किलो घी, थोड़ी चीनी, सारा गेहूँ आदि।

- वे संज्ञा या सर्वनाम शब्द जो गिने नहीं जाते, बल्कि जिनका माप-तौल किया जाता है, परिमाणवाचक विशेषण के अन्तर्गत आते हैं।

4. सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण—जब सर्वनाम शब्द को संज्ञा की विशेषता बताने के लिए प्रयोग किया जाता है तब वह सार्वनामिक अथवा संकेतवाचक विशेषण कहलाता है; जैसे—

वे फूल सुन्दर हैं।
↓ ↓
सर्वनाम संज्ञा

यह घर मेरा है।
↓ ↓
सर्वनाम संज्ञा

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में रंगीन शब्द सार्वनामिक विशेषण हैं।

अन्य उदाहरण—वे सन्तरे, ये पुस्तकें, वह बालक, यह कमरा, उस लड़के आदि। यहाँ सर्वनाम, संज्ञा शब्द से पहले आकर उसकी ओर इशारा करता है, इसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) किसी संज्ञा/सर्वनाम के गुण, दोष, दशा आदि की विशेषता बताने वाला विशेषण क्या कहलाता है?

(i) परिमाणवाचक ◯ (ii) गुणवाचक ◯ (iii) संख्यावाचक ◯

(ख) 'पाँच किलो चीनी' में कौन-सा विशेषण है?

(i) संख्यावाचक ◯ (ii) सार्वनामिक ◯ (iii) परिमाणवाचक ◯

(ग) 'वह व्यक्ति डॉक्टर है?' इसमें विशेष्य क्या है?

(i) वह ◯ (ii) व्यक्ति ◯ (iii) डॉक्टर ◯

2. इनके लिए सही विशेषण लिखिए—

..... कमीज़

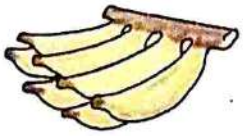

..... केले

..... अंगूर

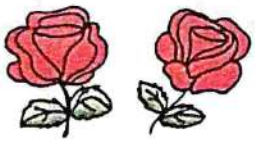

..... फूल

..... घड़ी

..... उल्लू

3. विशेषण शब्दों पर घेरा (◯) लगाइए—

(क) रोटी गोल बनी है।

(ख) मेरी जेब में चार सिक्के हैं।

(ग) मुझे एक किलो लड्डू चाहिए।

(घ) एक लीटर दूध ले आओ।

(ङ) आसमान में काले बादल छा गए।

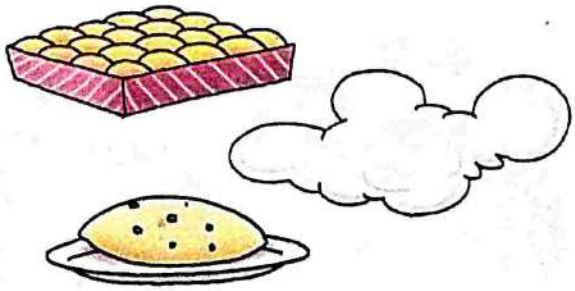

4. नीचे लिखे वाक्यों में रंगीन विशेषण शब्दों के प्रकार लिखिए—

(क) हमें ताजी सब्ज़ी खानी चाहिए। .....

(ख) कुछ लोग बहुत बोलते हैं। .....

(ग) उसने दो मीटर कपड़ा खरीदा। .....

(घ) इस बाग में आम लगे हैं। .....

5. विशेषण को उसके विशेष्य से मिलाइए और वाक्यांश बनाकर लिखिए—

विशेषण	विशेष्य	वाक्यांश
हरी	केले	.....
नीला	चिड़िया	.....
ऊँची	घास	.....
दो दर्जन	इमारत	.....
सुन्दर	आकाश	.....

6. कोष्ठक में दिए गए विशेषण के सही रूप से खाली स्थान भरिए—

(क) पानी में ..... मछलियाँ तैर रही हैं। *(छोटा)*

(ख) ..... हाथी गन्ना खा रहे थे। *(मोटा)*

(ग) बगीचे में ..... फूल खिले थे। *(पीला)*

(घ) उसके हाथ ..... हैं। *(लम्बा)*

(ङ) ..... पतंगें उड़ रही हैं। *(रंग-बिरंगा)*

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक विशेषण शब्द में दीजिए—

(क) आपके कितने मित्र हैं? .....

(ख) आपका स्वभाव कैसा है? .....

(ग) आपको कौन-सा रंग पसन्द है? .....

(घ) आपके घर से आपका विद्यालय कितनी दूर है? .....

8. वर्ग-पहेली में से विशेषण शब्द छाँटकर उचित कॉलम में लिखिए—

सुं	क	ती	न	च	थो
द	व	ई	भ	ब	ड़ा
र	म	य	छ	हु	त्र
त	दू	ण	य	त	ष
थ	स	व	ह	स	नी
द	रा	ध	न	ख	ला

गुणवाचक विशेषण	संख्यावाचक विशेषण	परिमाणवाचक विशेषण	सार्वनामिक विशेषण
.....नीला.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

9. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) विशेष्य किसे कहते हैं?

(ख) विशेषण कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखिए।

(ग) प्रत्येक प्रकार के विशेषण के चार-चार उदाहरण दीजिए।

9

क्रिया और काल
Verb and Tense

जो शब्द किसी काम के होने या करने के बारे में बताते हैं, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं।

चित्र देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्य पढ़िए—

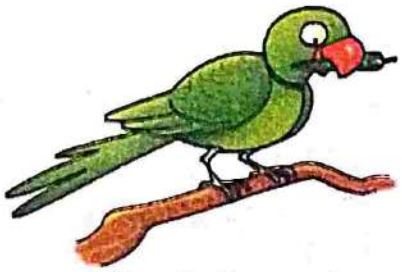

तोता मिर्च खाता है।

नानी ने बच्चों को कहानी सुनाई।

आज तेज़ बारिश होगी।

ऊपर के वाक्यों में रंगीन छपे शब्द—खाता है, सुनाई, होगी क्रिया पद हैं क्योंकि इन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है।

लिंग और वचन के अनुसार क्रिया शब्दों के रूप बदलते हैं।

नीचे दिए गए वाक्य ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

- मधुर खेलता है।
- नीलिमा खेलती है।
- दोनों खेलते हैं।
- बादल उमड़े।
- बिजली चमकी।
- बूँदें गिरने लगीं।

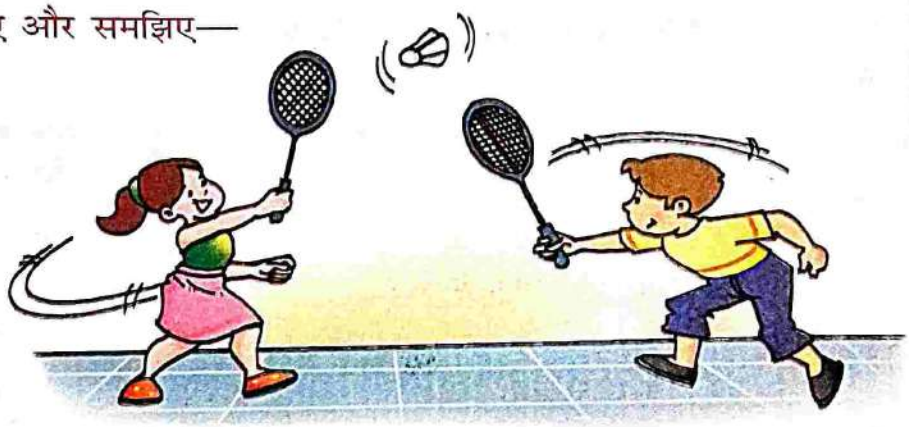

इस प्रकार स्पष्ट है कि—

- काम का होना या करना क्रिया कहलाती है।
- काम करने वाला कर्ता कहलाता है।
- कर्ता जो काम करता है, वह कर्म कहलाता है।
- क्रिया के बिना वाक्य अधूरा होता है।

धातु—क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। धातु से ही क्रिया के विभिन्न रूप बनाए जाते हैं; जैसे—

मूल रूप	सामान्य रूप
पढ़, लिख, चल, देख, उड़, गा	पढ़ना, लिखना, चलना, देखना, उड़ना, गाना

क्रिया के भेद

क्रिया दो प्रकार की होती है—1. सकर्मक क्रिया तथा 2. अकर्मक क्रिया।

1. सकर्मक क्रिया—स (साथ) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के साथ क्रिया का होना।

अंजलि गाना गा रही है।

माँ सब्ज़ी काट रही हैं।

इस प्रकार, जिस क्रिया में कर्म होता है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में यदि हम प्रश्न करते हैं कि—

प्रश्न—अंजलि क्या गा रही है?

उत्तर—गाना।

प्रश्न—माँ क्या काट रही हैं?

उत्तर—सब्ज़ी।

जहाँ क्या काम किया जा रहा है, का उत्तर मिल जाता है, वहाँ सकर्मक क्रिया होती है।

2. अकर्मक क्रिया—अ (बिना) + कर्मक (कर्म के) यानी कर्म के बिना क्रिया का होना।

राहुल दौड़ रहा है।

रजनी रो रही है।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में केवल कर्ता और क्रिया का प्रयोग किया गया है। यहाँ कर्म नहीं है। इसलिए यहाँ अकर्मक क्रिया है।

इस प्रकार, जिन क्रियाओं में कर्म नहीं होता, वे अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

जहाँ क्रिया के साथ 'क्या' प्रश्न का उत्तर न मिलकर 'कौन' प्रश्न का उत्तर मिलता है, वह अकर्मक क्रिया कहलाती है।

1. राहुल—कर्ता
   दौड़ रहा है—क्रिया
   (कौन दौड़ रहा है?—राहुल)
2. रजनी—कर्ता
   रो रही है—क्रिया
   (कौन रो रही है?—रजनी)

काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के पूर्ण होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

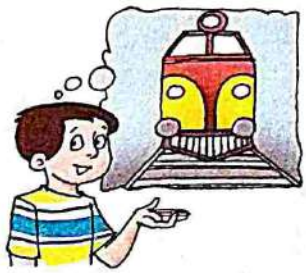

1. आज शहर में हड़ताल है। 2. पूजा सुबह पाठशाला गई। 3. गाड़ी पाँच बजे आएगी।

काल के भेद

काल के तीन भेद होते हैं—

1. भूतकाल (बीता हुआ समय)—क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में कार्य के होने का बोध होता है, उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे—माँ ने कल पूरियाँ बनाई थीं।

2. वर्तमान काल (आज का समय)—क्रिया के जिस रूप से कार्य के वर्तमान समय में होने का पता चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे—माँ आज पूरियाँ बना रही हैं।

3. भविष्यत् काल (आने वाला समय)—क्रिया के जिस रूप से पता चले कि कार्य आगे आने वाले समय में पूरा होगा, उसे भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे—माँ कल पूरियाँ बनाएँगी।

काल का अर्थ होता है—समय। समय तीन प्रकार का होता है:—बीता हुआ समय, आज का समय, आने वाला समय।

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) इस वाक्य में कौन-सा शब्द ठीक नहीं बैठता?
शिवानी ने मिठाई ..... ।
(i) देखी ◯ (ii) खाई ◯ (iii) बनाई ◯ (iv) आई ◯

(ख) कौन-सा शब्द इस वाक्य में नहीं आ सकता?
राहुल ..... सो गया।
(i) किताब ◯ (ii) जल्दी ◯ (iii) पलंग पर ◯ (iv) दस बजे ◯

(ग) कौन-से दो शब्द मेल नहीं खाते?
(i) घड़ी, देखना ◯ (ii) सब्ज़ी, लिखना ◯
(iii) किताब, रखना ◯ (iv) धोखा, खाना ◯

(घ) 'दादाजी ने अखबार पढ़ा।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा काल प्रयुक्त हुआ है?
(i) वर्तमान काल ◯ (ii) भूतकाल ◯
(iii) भविष्यत् काल ◯ (iv) इनमें से कोई नहीं। ◯

2. नीचे दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए—

(क) एक अच्छे छात्र को मेहनत करनी चाहिए। .....
(ख) बाग में फूल खिले हुए हैं। .....
(ग) इस विद्यालय में पाँच सौ छात्र पढ़ते हैं। .....
(घ) पुलिस ने चोरों को पकड़ लिया। .....
(ङ) मैंने एक पौधा लगाया। .....
(च) आज गणतन्त्र-दिवस है। .....
(छ) डॉक्टर ने दो बार जाँच की। .....
(ज) आकाश में पक्षी उड़ रहे थे। .....

3. चित्रों को देखकर बताइए कि कौन क्या कर रहा है?

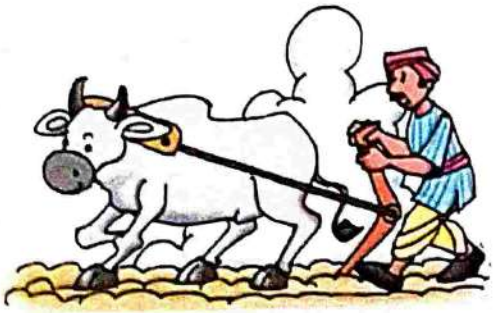

किसान ने हल ..... ।

बच्चे बॉल से ..... ।

चिड़िया पेड़ पर ..... है।

चन्दर नाव .... है। आदमी अखबार ....। बारिश ....।

4. कर्ता, क्रिया तथा कर्म पहचानकर लिखिए—

	कर्ता	क्रिया	कर्म
(क) हम ताजमहल देखने गए थे।	....	....	....
(ख) वे पुस्तक पढ़ रहे हैं।	....	....	....
(ग) बच्चे पतंग उड़ाते हैं।	....	....	....
(घ) मालिन ने माला बनाई।	....	....	....
(ङ) बन्दर ने केले खाए।	....	....	....

5. नीचे दिए गए वाक्यों में क्रिया के अनुसार उनके भेद लिखिए—

(क) नानी बच्चों को कहानी सुना रही हैं। ....

(ख) पवन क्रिकेट खेल रहा है। ....

(ग) मयंक नहा रहा है। ....

(घ) रूपा नाच रही है। ....

(ङ) पिताजी कपड़े पहन रहे हैं। ....

6. वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाओं के काल लिखिए—

(क) बच्चा खिलौनों से खेल रहा है। ....

(ख) शिवाजी का चेतक बहुत तेज दौड़ा। ....

(ग) पुष्पा सफल डॉक्टर बनेगी। ....

(घ) पुस्तकालय में बच्चे पढ़ रहे हैं। ....

(ङ) माँ ने काम समाप्त कर लिया। ....

(च) चिड़ियाघर में नया हाथी लाया जाएगा। ....

7. निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए कालों में बदलिए—

(क) बिल्ली सारा दूध पी गई। (वर्तमान काल) .....

(ख) पक्षी चहचहा रहे हैं। (भविष्यत् काल) .....

(ग) हम कल घूमने जाएँगे। (भूतकाल) .....

(घ) पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं। (भूतकाल) .....

(ङ) मैं अपने गाँव गया था। (भविष्यत् काल) .....

8. वर्तमान काल के वाक्यों के सामने (✓) का निशान लगाइए—

(क) अध्यापिका पढ़ा रही हैं।

(ख) मैं बारिश में बहुत भीगी।

(ग) पिताजी ने अखबार पढ़ा।

(घ) सीमा भाषण दे रही है।

(ङ) हमने ताजमहल देखा था।

9. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) अकर्मक और सकर्मक क्रियाओं में क्या अन्तर है?

(ख) क्रिया का मूल रूप क्या होता है?

(ग) काल किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं?

(घ) वर्तमान काल और भूतकाल में क्या अन्तर है?

10

अव्यय (अविकारी शब्द)
Invariable Words

जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय (अ + व्यय) या 'अविकारी' (अ + विकारी) कहते हैं; जैसे—शीघ्र, तेज़, बहुत, पास, तक, तथा, अथवा, परन्तु, वाह! उफ़!

अव्यय के भेद

अव्यय के निम्नलिखित चार भेद होते हैं—

1. क्रियाविशेषण (Adverb)
2. सम्बन्धबोधक (Preposition)
3. समुच्चयबोधक (Conjunction)
4. विस्मयादिबोधक (Interjection)

1. क्रियाविशेषण—जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता प्रकट होती है, उन्हें क्रियाविशेषण (क्रिया + विशेषण) कहते हैं; जैसे—

(क) खरगोश तेज़ दौड़ता है।
(ख) तुम थोड़ा-थोड़ा लिखने का अभ्यास करो।
(ग) वह प्रतिदिन पढ़ती है।

इन वाक्यों में तेज़, थोड़ा-थोड़ा और प्रतिदिन शब्द दौड़ना, लिखना और पढ़ना क्रिया की विशेषता बतला रहे हैं। अत: ये शब्द क्रियाविशेषण हैं।

2. सम्बन्धबोधक—जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उसका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों से बताएँ, वे सम्बन्धबोधक कहलाते हैं; जैसे—

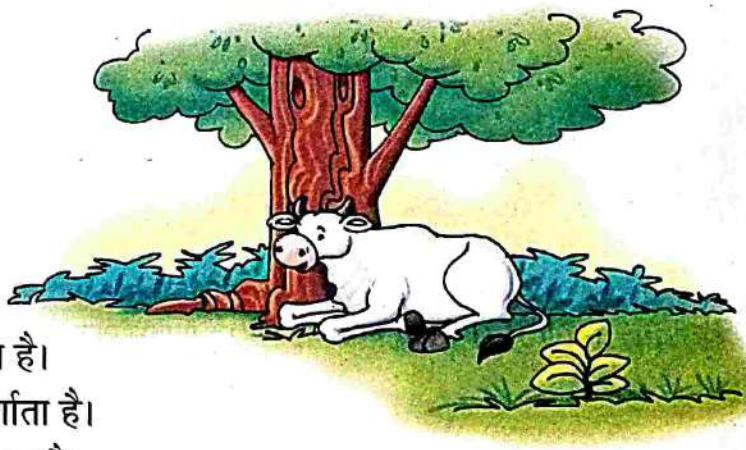

(क) सचिन नल के पास खड़ा है।
(ख) सड़क के किनारे एक झोंपड़ी है।
(ग) पेड़ के नीचे गाय बैठी है।
(घ) विद्या के बिना मनुष्य पशु है।

इन वाक्यों में—

के पास — सचिन और नल में सम्बन्ध बताता है।
किनारे — सड़क और झोंपड़ी में सम्बन्ध दर्शाता है।
नीचे — गाय का पेड़ से सम्बन्ध प्रकट करता है।
बिना — विद्या और मनुष्य में सम्बन्ध बताता है।

अत: के पास, किनारे, नीचे, बिना शब्द सम्बन्धबोधक हैं।

3. समुच्चयबोधक—जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों या उपवाक्यों (वाक्य-खंडों) को जोड़ें, उन्हें समुच्चयबोधक या योजक कहते हैं; जैसे—

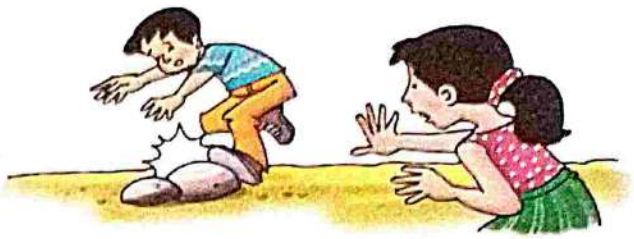

(क) राम और सीता वन को गए।

(ख) सावधानी से चलो वरना गिर जाओगे।

(ग) उसने बहुत मेहनत की किन्तु पास नहीं हो सकी।

इन वाक्यों में और, वरना, किन्तु दो शब्दों या उपवाक्यों को जोड़ते हैं। अत: ये शब्द समुच्चयबोधक हैं।

4. विस्मयादिबोधक—जो शब्द मन के आनन्द, शोक, क्रोध, आश्चर्य, घृणा आदि भावों को प्रकट करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं। इनका प्रयोग मनोभावों को तीव्र करने के लिए होता है; जैसे—

(क) अहा! कितना सुहावना मौसम है।

(ख) उफ़! कितनी गर्मी है।

(ग) अरे! आप आ गए।

इन वाक्यों में अहा!, उफ़!, अरे! शब्द आनन्द, तिरस्कार और आश्चर्य आदि मनोभावों को प्रकट करते हैं। अत: ये विस्मयादिबोधक शब्द हैं।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) मैं ..... बीमार हूँ। इसमें उपयुक्त क्रियाविशेषण चुनकर भरिए।

(i) यहाँ ◯ (ii) आज ◯ (iii) तेज़ ◯ (iv) कम ◯

(ख) बकरी पेड़ ..... खड़ी है। उपयुक्त सम्बन्धबोधक शब्द भरिए।

(i) पर ◯ (ii) में ◯ (iii) के नीचे ◯ (iv) के बाहर ◯

(ग) अच्छी तरह पढ़ो ..... अच्छे अंक मिल सकें। इसमें कौन-सा योजक शब्द आएगा?

(i) और ◯ (ii) लेकिन ◯ (iii) क्योंकि ◯ (iv) ताकि ◯

(घ) आश्चर्य के लिए कौन-सा विस्मयादिबोधक शब्द है?

(i) अरे! ◯ (ii) शाबाश! ◯ (iii) उफ़! ◯ (iv) हाय! ◯

2. खाली स्थानों को भरिए—

(क) क्रियाविशेषण शब्द ..... की विशेषता बताते हैं।

(ख) ..... शब्द जोड़ने का काम करते हैं।

3. समुच्चयबोधक—जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों या उपवाक्यों (वाक्य-खंडों) को जोड़ें, उन्हें समुच्चयबोधक या योजक कहते हैं; जैसे—

(क) राम और सीता वन को गए।

(ख) सावधानी से चलो वरना गिर जाओगे।

(ग) उसने बहुत मेहनत की किन्तु पास नहीं हो सकी।

इन वाक्यों में और, वरना, किन्तु दो शब्दों या उपवाक्यों को जोड़ते हैं। अत: ये शब्द समुच्चयबोधक हैं।

4. विस्मयादिबोधक—जो शब्द मन के आनन्द, शोक, क्रोध, आश्चर्य, घृणा आदि भावों को प्रकट करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं। इनका प्रयोग मनोभावों को तीव्र करने के लिए होता है; जैसे—

(क) अहा! कितना सुहावना मौसम है।

(ख) उफ़! कितनी गर्मी है।

(ग) अरे! आप आ गए।

इन वाक्यों में अहा!, उफ़!, अरे! शब्द आनन्द, तिरस्कार और आश्चर्य आदि मनोभावों को प्रकट करते हैं। अत: ये विस्मयादिबोधक शब्द हैं।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) मैं ..... बीमार हूँ। इसमें उपयुक्त क्रियाविशेषण चुनकर भरिए।

(i) यहाँ ◯ (ii) आज ◯ (iii) तेज़ ◯ (iv) कम ◯

(ख) बकरी पेड़ ..... खड़ी है। उपयुक्त सम्बन्धबोधक शब्द भरिए।

(i) पर ◯ (ii) में ◯ (iii) के नीचे ◯ (iv) के बाहर ◯

(ग) अच्छी तरह पढ़ो ..... अच्छे अंक मिल सकें। इसमें कौन-सा योजक शब्द आएगा?

(i) और ◯ (ii) लेकिन ◯ (iii) क्योंकि ◯ (iv) ताकि ◯

(घ) आश्चर्य के लिए कौन-सा विस्मयादिबोधक शब्द है?

(i) अरे! ◯ (ii) शाबाश! ◯ (iii) उफ़! ◯ (iv) हाय! ◯

2. खाली स्थानों को भरिए—

(क) क्रियाविशेषण शब्द ..... की विशेषता बताते हैं।

(ख) ..... शब्द जोड़ने का काम करते हैं।

(ग) सम्बन्धबोधक शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उसका ..... वाक्य के दूसरे शब्दों से बताते हैं।

(घ) ..... शब्द हर्ष, शोक, आश्चर्य आदि प्रकट करते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए और उनका प्रकार लिखिए—

(क) हिरन तेज़ दौड़ता है।	*तेज़*	*क्रियाविशेषण*
(ख) शाबाश! तुमने कमाल कर दिया।	.....	.....
(ग) यह काम जल्दी करना है।	.....	.....
(घ) हल्कू गरीब किन्तु ईमानदार है।	.....	.....
(ङ) छि:! कितनी दुर्गन्ध है।	.....	.....
(च) डाल पर चिड़िया बैठी है।	.....	.....

4. निम्नलिखित वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्दों से कौन-सा भाव प्रकट होता है?

(क) वाह! कितनी सुन्दर तस्वीर है।	.....	.....
(ख) अरे! इतनी जल्दी खाना कैसे बना लिया?	.....	.....
(ग) छि! कितनी गन्दगी फैली है।	.....	.....

5. उपयुक्त अव्यय भरकर वाक्य पूरे कीजिए—

बिना हमेशा धीरे साथ या वाह-वाह ताकि

(क) पंकज के ..... मैं भी खेलने गया।

(ख) करो ..... मरो।

(ग) नदी ..... बहती है।

(घ) तुम्हारे ..... मैं नहीं रह सकता।

(ङ) सवेरे घूमने जाया करो ..... स्वस्थ रहो।

(च) कमल ..... उदास रहता है।

(छ) .....! आपने खूब गप्प सुनाई।

6. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) अव्यय किसे कहते हैं? इसके भेदों के नाम लिखिए।

(ख) क्रियाविशेषण से आप क्या समझते हैं?

(ग) सम्बन्धबोधक कौन-से शब्द होते हैं?

(घ) समुच्चयबोधक क्या कार्य करते हैं?

(ङ) विस्मयादिबोधक का प्रयोग करते हुए एक वाक्य बनाइए।

11

विराम-चिह्न
Punctuation

जब हम आपस में बातचीत करते हैं तो बोलते समय हम कहीं रुकते हैं तो कहीं स्पष्ट तरीके से बोलते हैं। वाक्य लिखते समय हम जहाँ रुकते हैं, उसे एक संकेत या चिह्न से बताते हैं। इन चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

विराम-चिह्न का प्रयोग यदि उचित स्थान पर न किया जाए, तो वाक्य का अर्थ ही बदल जाता है। उदाहरण देखिए—

इन दोनों वाक्यों में शब्द एक-से हैं लेकिन अलग-अलग स्थानों पर रुकने के कारण इनके अर्थ अलग-अलग हो गए हैं।

प्रमुख विराम-चिह्न

हिन्दी में मुख्य रूप से निम्नलिखित विराम-चिह्न प्रयोग किए जाते हैं—

1. पूर्ण विराम (।)—इस विराम चिह्न का प्रयोग वाक्य के पूरा होने पर किया जाता है; जैसे—

- बाहर वर्षा हो रही है।
- अब तुम घर चले जाओ।

2. अल्प विराम (,)—वाक्य के बीच में जहाँ थोड़ा रुकना आवश्यक हो, वहाँ अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- ईशान, रवि और नमन घर जा रहे हैं।
- वह आया, थोड़ी देर बैठा, फिर चला गया।

3. प्रश्नसूचक चिह्न (?)—जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है, उनके अन्त में प्रश्नसूचक चिह्न लगाया जाता है; जैसे—

- तुम यहाँ क्या कर रहे हो?
- क्या सूरज निकल आया?

4. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)—विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग दो स्थानों पर होता है—

(क) विस्मयादिबोधकों के बाद; जैसे—

- वाह! तुमने कमाल कर दिया।
- अरे! तुम आ गए।

(ख) उन वाक्यों के बाद जिनमें हर्ष, शोक, दु:ख, आश्चर्य, घृणा आदि के भाव प्रकट होते हैं; जैसे—

- कितना सुन्दर फूल!
- हद कर दी आपने!

5. उद्धरण चिह्न (" ..... ")—जब किसी की कही बात को उसके शब्दों में ज्यों-का-त्यों लिखा जाता है तो उसे उद्धरण चिह्नों में रखते हैं; जैसे—

- तिलक ने कहा—"स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।"
- नेताजी ने कहा था—"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

6. योजक चिह्न (-)—दो शब्दों का आपसी सम्बन्ध दिखाने के लिए योजक चिह्न का प्रयोग होता है इसका प्रयोग 'और' शब्द के स्थान पर होता है; जैसे—

- वे दोनों भाई-बहन हैं।
- जो करो, अच्छा-बुरा सोचकर करो।

7. निर्देश चिह्न (—)—किसी बात का विवरण देने के लिए निर्देश चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे—

- सदा याद रखिए—
  ईश्वर सर्वव्यापक है।
  वह सर्वशक्तिमान है।
- 'सूरज' के पर्यायवाची हैं—सूर्य, रवि, दिनकर आदि।

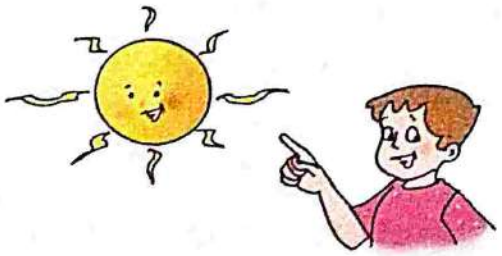

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) इनमें से अल्प विराम कौन-सा है?

(i) ! ◯ (ii) , ◯

(iii) : ◯ (iv) । ◯

(ख) इनमें से कौन-सा सही है?

(i) रोटी; कपड़ा और मकान ◯ (ii) क्या तुम्हें हिन्दी आती है। ◯

(iii) वाह! कितना सुन्दर मकान है? ◯ (iv) बारिश होगी, तो हम नहीं जाएँगे। ◯

(ग) इनमें से कौन-सा गलत है?

(i) माता-पिता ◯ (ii) बड़े, बड़े पेड़ ◯

(iii) चावल, चीनी और नमक ◯ (iv) बड़े-बूढ़े, स्त्री-पुरुष ◯

2. किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?

(क) वाक्य के पूरा होने पर .....

(ख) वाक्य के बीच में जहाँ थोड़ा रुकना हो .....

(ग) प्रश्नों के अन्त में .....

(घ) हर्ष, शोक आदि प्रकट करने वाले वाक्यों के अन्त में .....

(ङ) जब किसी बात को ज्यों-का-त्यों लिखा जाए .....

(च) दो शब्दों का आपसी सम्बन्ध दिखाने के लिए .....

(छ) विवरण देने के लिए .....

3. रेखा खींचकर सही विराम-चिह्न से मिलाइए—

(क)	पूर्ण विराम	,
(ख)	प्रश्नवाचक चिह्न	!
(ग)	अल्पविराम	।
(घ)	विस्मयादिबोधक	?

4. नीचे दिए गए वाक्यों में सही विराम-चिह्न लगाइए—

(क) फूलों की माला ले आओ

(ख) कौन आया था

(ग) हमने मेले में बर्फ़ी लड्डू और जलेबी खाई

(घ) तुम कौन-सा खेल खेलोगे

(ङ) शुभम ने पूछा अंकित सलोनी रूपा और तान्या कहाँ चले गए

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विराम-चिह्न का क्या अर्थ है? हिन्दी के प्रमुख विराम-चिह्नों के नाम लिखिए।

(ख) विराम-चिह्न का प्रयोग क्यों किया जाता है?

6. नीचे लिखे वाक्यों में सही विराम-चिह्न लगाइए—

भोजन की घंटी बज गई सारे बच्चे अपना टिफ़िन बॉक्स खोलकर खाने लगे लेकिन अंजलि उदास सी बैठी थी निकिता ने पूछा क्या तुम खाना नहीं लाई हो अंजलि ने कहा नहीं निकिता ने कहा हम तुम मिलकर खाना खाते हैं अंजलि खाना खाते हुए बोली वाह आलू की सब्ज़ी तो बड़ी चटपटी है शिक्षिका यह सब देख रही थीं उन्होंने निकिता से कहा शाबाश तुम दूसरों का बहुत ध्यान रखती हो

12

वाक्य-विचार
Syntax

शब्दों के ऐसे समूह को जिससे पूरा-पूरा अर्थ समझ में आ जाए, वाक्य कहते हैं। अपनी बात दूसरों को समझाने के लिए हम शब्दों का प्रयोग करते हैं किन्तु शब्दों को बिना किसी क्रम के अलग-अलग बोलने से वक्ता का पूरा अभिप्राय स्पष्ट नहीं हो पाता—

खेल हैं फुटबॉल लड़के रहे।

अध्यापिका रहेगी कल ने छुट्टी कि बताया।

उपर्युक्त वाक्यों में शब्दों को सही क्रम में नहीं रखा गया है। इसी कारण ये वाक्य अर्थ को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त नहीं कर रहे हैं। इसलिए ये वाक्य गलत हैं। वाक्य क्रम में इस प्रकार होने चाहिए—

लड़के फुटबॉल खेल रहे हैं।

अध्यापिका ने बताया कि कल छुट्टी रहेगी।

इस प्रकार, शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।

वाक्य के अंग

वाक्य के दो अंग होते हैं—1. उद्देश्य (Subject) तथा 2. विधेय (Predicate)।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए—

(क) रवि पुस्तक पढ़ता है।

(ख) गीता कहानी लिखती है।

उपर्युक्त वाक्यों में दो अंग हैं—एक अंग कर्ता के बारे में बताता है; जैसे—रवि, गीता। दूसरा अंग क्रिया के बारे में सूचना देता है; जैसे—पुस्तक पढ़ता है, कहानी लिखती है। पहला अंग उद्देश्य कहलाता है और दूसरा अंग विधेय।

- **उद्देश्य**—वाक्य का वह अंग होता है, जिसके बारे में कुछ कहा जाता है।
- **विधेय**—उद्देश्य के बारे में कुछ कहा जाता है।

कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) शब्दों के किस समूह को वाक्य कहते हैं?

(i) छोटा समूह ◯ (ii) बड़ा समूह ◯ (iii) सार्थक समूह ◯

(ख) 'ईशान क्रिकेट खेलता है।' में उद्देश्य क्या है?

(i) क्रिकेट ◯ (ii) ईशान ◯ (iii) खेलता ◯

2. वाक्यों के सही रूप लिखिए—

(क) थी बस में भीड़ बहुत। .....

(ख) बैठ नाव में गया था वह। .....

(ग) गीत नीलू सुनाया ने। .....

(घ) साँप अरे! यह तो है। .....

(ङ) कहाँ रहे हैं जा आप? .....

3. दिए गए उद्देश्यों में से सही उद्देश्य चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

(क) ..... भारत का पहरेदार है।

(ख) ..... खेती करता है।

(ग) ..... जंगल का राजा है।

(घ) ..... वर्षा ऋतु में नाचता है।

(ङ) ..... में हरे-भरे वृक्ष और रंगीन फूल हैं।

(च) ..... राम की पत्नी थी।

मोर, किसान, सीता, शेर, हिमालय, विद्यालय

4. उचित उद्देश्य और विधेय को रेखा खींचकर मिलाइए—

उद्देश्य	विधेय
(क) मेरी माता जी	पेड़ से गिर रहा है।
(ख) गाड़ी	बड़ा नटखट होता है।
(ग) काला घोड़ा	रसोई में खाना पकाती हैं।
(घ) पका आम	स्टेशन से छूट चुकी है।
(ङ) बन्दर	बहुत तेज़ दौड़ता है।

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

(ख) उद्देश्य और विधेय से क्या तात्पर्य है?

13

अशुद्धि-शोधन
Error Correction

भाषा के व्यावहारिक ज्ञान के अभाव में छात्र कुछ अशुद्धियाँ कर जाते हैं। बार-बार प्रयोग में आते रहने के कारण वे आदत बन जाती हैं और भाषा को अशुद्ध बना देती हैं। शुद्ध भाषा के लिए शब्दों की वर्तनी सही होनी चाहिए। सही वर्तनी के लिए आवश्यक है कि हम सही उच्चारण करें। यदि उच्चारण शुद्ध किया जाए, तो इन अशुद्धियों को सुधारा जा सकता है, क्योंकि केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा भी जाता है। छात्रों द्वारा की जाने वाली साधारण अशुद्धियों के बारे में यहाँ जानकारी दी जा रही है।

ये अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं—

1. शब्दों की अशुद्धियाँ और
2. वाक्यों की अशुद्धियाँ।

शब्दों की अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
तीथी	तिथि
परिक्षा	परीक्षा
प्रभू	प्रभु
स्वास्थ	स्वास्थ्य
परीश्रम	परिश्रम
इसलीए	इसलिए
अतीथि	अतिथि
क्रपा	कृपा
आर्शीवाद	आशीर्वाद
वायू	वायु
परन्तू	परन्तु
मिठाईयाँ	मिठाइयाँ
अध्य्यन	अध्ययन

अशुद्ध	शुद्ध
हिन्दु	हिन्दू
क्योंकी	क्योंकि
पुरुस्कार	पुरस्कार
पति	पत्नी
श्रीमति	श्रीमती
प्रसंशा	प्रशंसा
त्यौंहार	त्योहार
झूट	झूठ
बरफ	बर्फ
प्रशाद	प्रसाद
चिन्ह	चिह्न
साधू	साधु
पुज्य	पूज्य

वाक्यों की अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. हम खाना खा लिए हैं।	हमने खाना खा लिया है।
2. पिता जी आपको बुलाए हैं।	पिता जी ने आपको बुलाया है।
3. हम आपसे कहे थे।	हमने आपसे कहा था।
4. मेरे को नहीं मालूम वह कहाँ गया है?	मुझे नहीं मालूम वह कहाँ गया है?
5. मुझे एक कहानियों की किताब ला दो।	मुझे कहानियों की एक किताब ला दो।
6. बच्चों को काटकर सेब खिलाओ।	बच्चों को सेब काटकर खिलाओ।
7. मैंने भी जाना है।	मुझे भी जाना है।
8. यह पुस्तक मैं पढ़ा हूँ।	यह पुस्तक मैंने पढ़ी है।
9. वहाँ अनेकों लोग थे।	वहाँ अनेक लोग थे।
10. राकेश के दो बेटियाँ हैं।	राकेश की दो बेटियाँ हैं।
11. यह बात माँ को पूछो।	यह बात माँ से पूछो।
12. चोर को रस्सी बाँधकर ले गए।	चोर को रस्सी से बाँधकर ले गए।
13. मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।	मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।
14. मेरे को आपसे कुछ कहना है।	मुझे आपसे कुछ कहना है।
15. आजकल पाँच रुपया में कुछ नहीं आता।	आजकल पाँच रुपयों में कुछ नहीं आता।

कुछ करके सीखें

1. शुद्ध शब्द के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क)	कवयित्री	✓	कवयित्रि		कवित्री		कवियत्री		
(ख)	आर्शीवाद		आशीर्वाद	✓	आर्शिवाद		अशीर्वाद		
(ग)	सन्यासी		संयासी		संन्यासी	✓	सन्नयासी		
(घ)	पूज्यनीय		पुज्यनीय		पुजनीय		पूजनीय	✓	
(ङ)	परमात्मा		प्रमात्मा		प्रमातमा		परमातमा		✓
(च)	स्वास्थ		स्वास्थ्य	✓	सवास्थ्य		स्वासथ्य		
(छ)	ऐतिहासिक		एतिहासिक		इतिहासिक	✓	ईतिहासिक		
(ज)	विशेश		विशेष		विषेश		विशेस		✓

2. नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

परिक्षा	.....	परीश्रम	.....
मिठाईयाँ	.....	अतीथि	.....
कृपा	.....	अध्य्यन	.....
पुरुस्कार	.....	त्यौहार	.....
चिन्ह	.....	श्रीमति	.....

3. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) कौन-सा वाक्य सही है?

(i) मेरे को स्कूल जाना है।

(ii) मैंने स्कूल जाना है।

(iii) मुझे स्कूल जाना है।

(iv) मैं स्कूल जाना है।

(ख) कौन-सा वाक्यांश सही है?

आपको कौन-सी मिठाइयाँ .....

(i) अच्छा लगता है?

(ii) अच्छी लगती हैं?

(iii) अच्छी लगती है?

(iv) अच्छे लगते हैं?

(ग) कौन-सा वाक्य गलत है?

(i) मेरी माता जी आए।

(ii) मेरी बुआ जी आई हैं।

(iii) ये प्रश्न सरल हैं?

(iv) मेरे मामा जी बीमार हैं।

4. नीचे दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

(क) एक दिल्ली का निवासी मेरठ गया। .....

(ख) तुम को इतना देर क्यों हुआ? .....

(ग) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं। .....

(घ) यह लड़की दही गिरा दी। .....

(ङ) मेरे को कल इलाहाबाद जाना है। .....

(च) कृपया करके अवकाश देने की कृपा करें। .....

(छ) मोहित को काटकर ताज़ा सेब खिलाओ। .....

(ज) कल मेरे मामा जी ने कोलकाता से आना है। .....

14

पर्यायवाची शब्द
Synonyms

भाषा में हर शब्द का एक अर्थ होता है। कुछ शब्द समान या एक-जैसा ही अर्थ प्रकट करते हैं। समान या एक-जैसा अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।

नीचे दिए गए शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

सुधाकर, राकेश

शशि, चन्द्रमा

दिनकर, सूरज

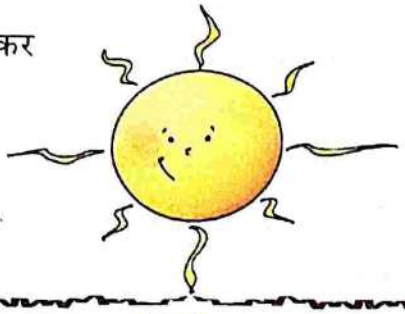

सूर्य, रवि

पर्वत, पहाड़

अचल, गिरि

तरु, पेड़

विटप, वृक्ष

आपने देखा, कुछ शब्दों के कई नाम हैं; जैसे—चाँद के चन्द्रमा, शशि, सुधाकर, राकेश। जो शब्द परस्पर मिलता-जुलता अर्थ देते हैं उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं। समान अर्थ होने के कारण ये समानार्थी भी कहे जाते हैं।

कुछ और पर्यायवाची शब्द पढ़िए और याद कीजिए—

घोड़ा — अश्व, तुरंग, हय।
शिक्षक — अध्यापक, गुरु, आचार्य।
धरती — ज़मीन, भूमि, पृथ्वी।
पक्षी — खग, विहग, नभचर।
शाखा — टहनी, डाल, डाली।
जल — पानी, नीर, पय, वारि।
दिन — दिवस, दिवा, वार।

आकाश — आसमान, गगन, नभ।
आग — अग्नि, ज्वाला, पावक।
ईश्वर — प्रभु, परमात्मा, भगवान।
जंगल — वन, कानन, अरण्य।
हाथ — हस्त, कर, पाणि।
घर — सदन, गृह, मकान।
फूल — पुष्प, सुमन, कुसुम।
मित्र — दोस्त, सखा, मीत।
वस्त्र — कपड़ा, पट, वसन।
संसार — दुनिया, जगत, जग।
बाग — बगीचा, वाटिका, उपवन।
रात — रात्रि, निशा, रजनी।
रास्ता — मार्ग, राह, पथ।
दीपक — दीया, चिराग, दीप।
कमल — पंकज, जलज, नीरज।
मनुष्य — मानव, आदमी, नर।
आँख — नेत्र, नयन, चक्षु।

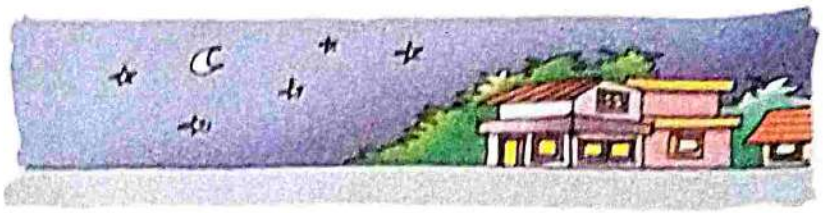

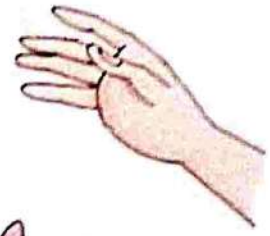

कुछ करके सीखें

1. नीचे दिए गए चित्रों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

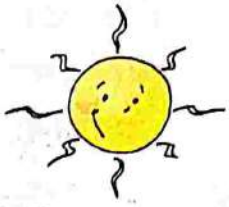

....

....

2. समूह से अलग शब्द पर घेरा (◯) लगाइए—

(क)	मित्र	शत्रु	दोस्त	सखा
(ख)	रास्ता	पथ	मार्ग	पहाड़
(ग)	घर	सदन	महल	मकान
(घ)	दीपक	बत्ती	चिराग	दीया
(ङ)	आग	अग्नि	ज्वाला	जलना

3. निम्नलिखित शब्दों को उनके उचित पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए—

	शब्द	पर्यायवाची शब्द
(क)	चन्द्रमा	नग
(ख)	बेटा	पावक
(ग)	पर्वत	जलधि
(घ)	आग	राकेश
(ङ)	समुद्र	सुत

4. कोष्ठकों में दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—

(क) ..... सबका भला करता है। *(ईश्वर)*

(ख) ..... में बादल छाए हैं। *(आसमान)*

(ग) ..... होते ही पक्षी चहचहाने लगते हैं। *(सुबह)*

(घ) ..... में कई लोग घायल हुए। *(लड़ाई)*

(ङ) मेरे सारे ..... में दर्द हो रहा है। *(तन)*

(च) ..... हमारे सबसे उपयोगी मित्र हैं। *(पेड़)*

(छ) वे हमारे गणित के ..... हैं। *(शिक्षक)*

5. शब्द-जाल में से पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए—

(क) डाल — .....

(ख) वस्त्र — .....

(ग) जल — .....

(घ) कमल — .....

(ङ) जंगल — .....

(च) दीया — .....

(छ) दिन — .....

(ज) हवा — .....

(झ) रास्ता — .....

(ञ) संसार — .....

ट	म	दी	च	व
ह	वा	प	व	न
नी	र	क	प	ड़ा
क	ज	ग	त	रा
पा	नी	र	ज	ह

15

विलोम शब्द
Antonyms

ऐसे शब्द जो एक-दूसरे का विपरीत/उलटा अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

मौखिक — लिखित

परतन्त्र — स्वतन्त्र

ऊपर दिए गए चित्रों को देखकर तथा उनके नीचे लिखे शब्दों को पढ़कर यह पता चलता है कि ये शब्द एक-दूसरे का उलटा यानी विपरीत अर्थ दे रहे हैं। ऐसे शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

आइए, कुछ और विलोम शब्द जानें—

दिन — रात

खिलना — मुरझाना

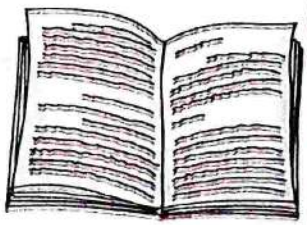

बन्द — खुला

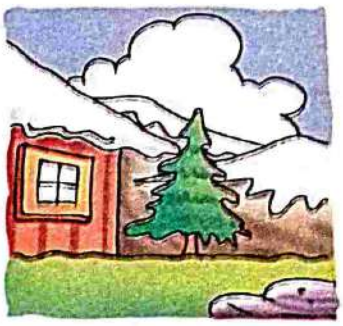
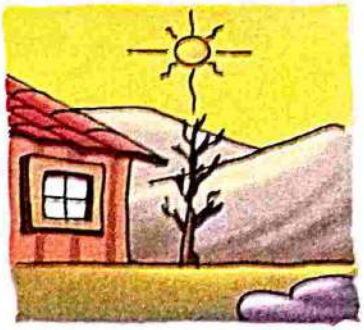

सर्दी — गर्मी

कुछ और विलोम शब्द पढ़िए—

शब्द		विलोम
ठंडा	—	गर्म
हार	—	जीत
अन्दर	—	बाहर
सख्त	—	नर्म
दूर	—	पास
छोटा	—	बड़ा
गाँव	—	शहर
उचित	—	अनुचित
सत्य	—	असत्य
सच	—	झूठ
खोना	—	पाना
बुरा	—	भला
प्रसन्न	—	अप्रसन्न
अँधेरा	—	उजाला

शब्द		विलोम
कम	—	ज़्यादा
देश	—	विदेश
सुबह	—	शाम
धूप	—	छाया
सुख	—	दुःख
प्रश्न	—	उत्तर
कठोर	—	कोमल
गीला	—	सूखा
शान्त	—	अशान्त
इधर	—	उधर
लेना	—	देना
कच्चा	—	पक्का
भारी	—	हलका
आना	—	जाना

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) कौन-से शब्द विलोम नहीं हैं?

(i) असली — नकली ◯ (ii) शहर — नगर ◯

(iii) पूरा — अधूरा ◯ (iv) भला — बुरा ◯

(ख) कौन-से शब्द विलोम हैं?

(i) आधुनिक — प्राचीन ◯ (ii) उदार — उदारता ◯

(iii) भलाई — नेकी ◯ (iv) हित — सहित ◯

(ग) 'विदेश' किसका विलोम है?

(i) प्रदेश ◯ (ii) आज़ादी ◯

(iii) देश ◯ (iv) विदेशी ◯

2. नीचे दिए गए वाक्यों में विलोम शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(क) राजा का दिल कठोर था, रानी का कोमल।

(ख) अध्यापिका के प्रश्न का उत्तर कोई भी न दे पाया।

(ग) नए व्यापार में लाभ के बजाय हानि उठानी पड़ी।

(घ) अच्छे व्यवहार से शत्रु भी मित्र बन जाते हैं।

(ङ) मैंने इस पुस्तक को आदि से अन्त तक पढ़ा।

(च) मनीष में कुछ गुण हैं तो कुछ अवगुण भी हैं।

3. सही विलोम शब्द पर घेरा (◯) लगाइए—

(क)	बड़ा	—	नीचा	छोटा	पतला
(ख)	उजाला	—	रात	प्रकाश	अँधेरा
(ग)	खिलना	—	मुरझाना	बन्द होना	खेलना
(घ)	छाया	—	रोशनी	धूप	शाम
(ङ)	सुखी	—	खुशी	उदास	दुःखी

4. विलोम शब्द लिखिए—

सद्गुण	—	.....	बलवान	—	.....
अज्ञान	—	.....	.....	—	असन्तुष्ट
.....	—	अन्यायी	उचित	—	.....
स्वाधीनता	—	.....	.....	—	सदुपयोग
.....	—	असामाजिक	.....	—	कुमार्ग

5. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम शब्द भरिए—

(क) राजन आस्तिक है, पर उसका भाई ..... है।

(ख) युद्ध में राजा की विजय और उसके शत्रु की ..... हुई।

(ग) आज से दो सौ साल पहले हम परतन्त्र थे, पर अब हम ..... हैं।

(घ) गांधी जी कहते थे कि हिंसा से नहीं ..... से काम लेना चाहिए।

(ङ) हमें अज्ञान का अन्धकार मिटाकर ..... का ..... फैलाना चाहिए।

16

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
One Word Substitution

हम दूसरों से अपनी बात को कहने के लिए अनेक शब्दों का प्रयोग करते हैं। कम शब्दों में बात को प्रभावशाली ढंग से कहना भाषा की विशेषता कहलाती है। हिन्दी भाषा में अपनी बात संक्षेप में व्यक्त करने वाले ऐसे शब्द पाए जाते हैं, जिन्हें पूरे वाक्य या किसी शब्द-समूह के स्थान पर प्रयोग किया जाता है। ऐसे शब्द लघु वाक्य भी कहलाते हैं।

नीचे दिए वाक्यों को पढ़िए—

मुम्बई में आकाश को छूनेवाली अनेक इमारतें हैं।

रामू मिट्टी के बर्तन बनानेवाला है।

उपर्युक्त वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इन वाक्यों में बात को अनेक शब्दों में कहा गया है। अब इन वाक्यों के संक्षिप्त रूप देखिए—

- मुम्बई में अनेक गगनचुम्बी इमारतें हैं।
- रामू कुम्हार है।

ऐसा करने से इन वाक्यों का अर्थ नहीं बदला किन्तु अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग होने से भाषा सुन्दर और प्रभावशाली अवश्य बन गई है।

कुछ और उदाहरण पढ़िए—

घोड़े की सवारी करनेवाला—घुड़सवार

जो लकड़ी का काम करे—बढ़ई

पशु-पक्षियों को रखने का स्थान — चिड़ियाघर

जहाँ इलाज किया जाता हो — अस्पताल

आइए, ऐसे ही कुछ अन्य शब्दों के विषय में जानें—

वाक्यांश/अनेक शब्द	एक शब्द
जो कभी न मरे	— अमर
जो राष्ट्र का हो	— राष्ट्रीय
मांस खानेवाला	— मांसाहारी
शाक-सब्ज़ी खानेवाला	— शाकाहारी
पुराने ज़माने का	— प्राचीन
श्रम करनेवाला	— श्रमिक
चित्र बनानेवाला	— चित्रकार
जल में रहनेवाला	— जलचर
जो बड़ा भाई हो	— अग्रज
मधुर बोलनेवाला	— मृदुभाषी
जो आँखों के सामने हो	— प्रत्यक्ष
जो आँखों के सामने न हो	— अप्रत्यक्ष/परोक्ष
सब कुछ जाननेवाला	— सर्वज्ञ
जिसमें बल न हो	— निर्बल
दूसरों पर उपकार करनेवाला	— परोपकारी
विज्ञान के क्षेत्र में काम करनेवाला	— वैज्ञानिक
सत्य बोलनेवाला	— सत्यवादी
तीन महीने में एक बार होनेवाला	— त्रैमासिक
वर्ष में एक बार होनेवाला	— वार्षिक
खेती करनेवाला	— किसान
शहर में रहनेवाला	— शहरी
गाँव में रहनेवाला	— ग्रामीण
जिसके दिल में दया हो	— दयालु
जो छोटा भाई हो	— अनुज
साथ पढ़नेवाला	— सहपाठी
कविता लिखनेवाला	— कवि

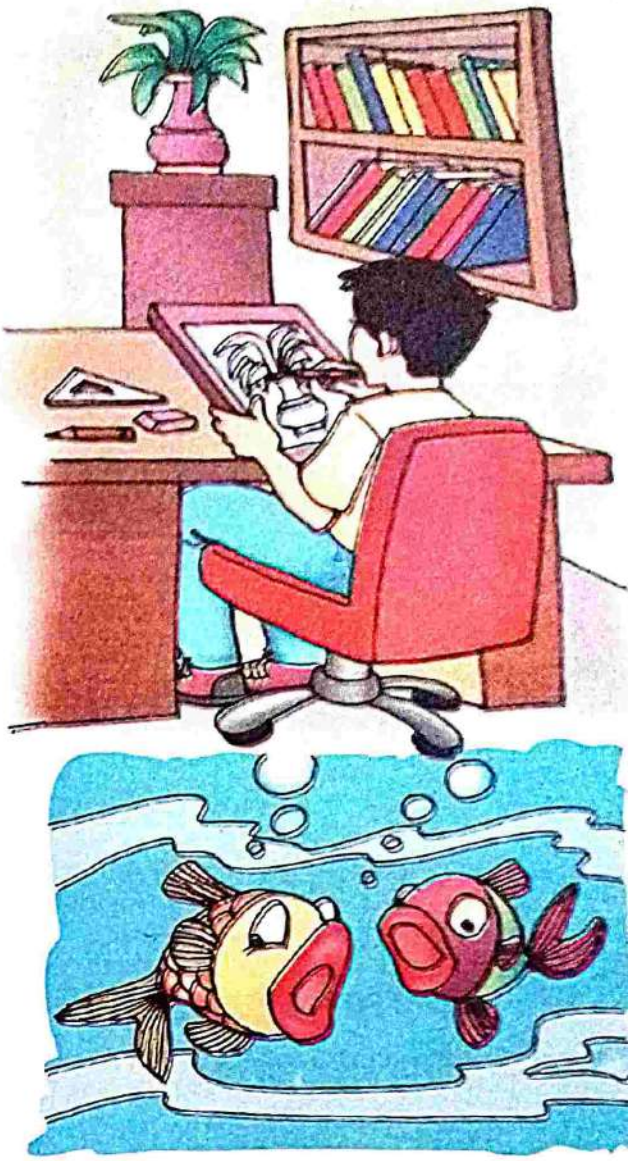

कुछ करके सीखें

1. वाक्यांशों/अनेक शब्दों को उनके सही शब्दों से मिलाइए—

मिट्टी के बर्तन बनानेवाला	रेखांकित
जो आँखों के सामने हो	अनुज
सुननेवाला	कुम्हार
जो छोटा भाई हो	प्रत्यक्ष
जिसके नीचे रेखा खींची गई हो	श्रोता

2. रंगीन शब्दों की जगह एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्यों को दोबारा लिखिए—

(क) राहुल दूसरों पर उपकार करनेवाला बच्चा है। .....

(ख) सकीना के माता-पिता नहीं हैं। .....

(ग) शिवानी सदा सत्य बोलती है। .....

(घ) सिनेमा हॉल देखनेवालों से खचाखच भरा हुआ था। .....

(ङ) मेरे पिता जी विज्ञान के क्षेत्र में काम करते हैं। .....

3. बताइए, रंगीन शब्दों की जगह इन्हें क्या कहेंगे?

(क)	हसन शहर में रहता है।	हसन ..... है।
(ख)	मछली जल में रहती है।	मछली ..... है।
(ग)	सुमित कविता लिखता है।	सुमित ..... है।
(घ)	अनवर मांस खाता है।	अनवर ..... है।
(ङ)	सविता मधुर बोलती है।	सविता ..... है।

4. नीचे दिए गए शब्दों को अनेक शब्दों में स्पष्ट कीजिए—

(क) शाकाहारी .....

(ख) अग्रज .....

(ग) सर्वज्ञ .....

(घ) परोक्ष .....

(ङ) त्रैमासिक .....

17

मुहावरे
Idioms

कई बार हम कुछ ऐसे वाक्य बोलते हैं, जो एक विशेष अर्थ देते हैं, यानी उनका अर्थ उनमें आए शब्दों से अलग होता है। इन्हें हम मुहावरे कहते हैं। ये मुहावरे आसपास की वस्तुओं या प्राणियों की विशेषताओं एवं विशेष गुणों को देखकर ही बनाए जाते हैं; जैसे—

'मेरे भाई ने मेरे विरुद्ध माँ के कान भर दिए।' इन शब्दों के सामान्य अर्थ से इस वाक्य का अर्थ नहीं निकल सकता। कान कोई बरतन तो नहीं कि कोई उसे भर सके। फिर कान को किससे भरा जाए। 'कान भरना' एक मुहावरा है। इस मुहावरे का अर्थ है चुगली करना, किसी को किसी के बारे में उलटी-सीधी बातें सुनाना।

इससे स्पष्ट होता है कि हम अपनी बात दो प्रकार से कह सकते हैं—

1. कुतुबमीनार देखकर नमन को बहुत आश्चर्य हुआ।

या

कुतुबमीनार देखकर नमन ने दाँतों तले अंगुली दबा ली।

2. कक्षा में प्रथम आने पर राहुल को बहुत खुशी हुई।

या

कक्षा में प्रथम आने पर राहुल फूला न समाया।

आपने देखा कि दोनों वाक्यों में मुहावरे वाले वाक्य अधिक सुन्दर और प्रभावशाली लग रहे हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मुहावरों के प्रयोग से भाषा सुन्दर, प्रभावशाली तथा सजीव हो उठती है।

आइए, मुहावरों के कुछ अन्य उदाहरण देखिए—

1. **अंग-अंग ढीला होना** — थक जाना
   घर का काम करते-करते मेरा अंग-अंग ढीला हो गया।
2. **अगर-मगर करना** — टाल-मटोल करना
   रश्मि से जब मैंने किताब माँगी तो वह अगर-मगर करने लगी।
3. **अधर में लटकना** — बीच में रह जाना
   दोस्तों ने आवाज़ लगाई और सुधीर खेलने चला गया। उसका होमवर्क तो अधर में ही लटक गया।

4. **आँखें दिखाना** — गुस्सा करना

मुदित ने जब खिलौना लेने की जिद्द की तो पिता जी ने आँखें दिखाईं।

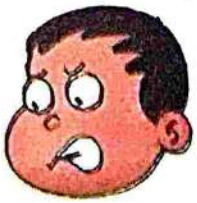

5. **आँखें भर आना** — भावुक होने के कारण आँखों में आँसू आना

अपने दोस्तों से अलग होने पर उदिता की आँखें भर आईं।

6. **आँखों में धूल झोंकना** — धोखा देना

ठग सेठ की आँखों में धूल झोंककर सारा सामान ले गया।

7. **आसमान सिर पर उठाना** — शोर मचाना

शिक्षक के जाते ही प्रशान्त ने आसमान सिर पर उठा लिया।

8. **ईंट से ईंट बजाना** — नष्ट करना

हमारी सेना ने अंग्रेज़ी सेना की ईंट से ईंट बजा दी।

9. **ईद का चाँद होना** — बहुत दिनों में दिखाई देना

अरे सुहेल, तुम तो ईद का चाँद हो गए हो नज़र ही नहीं आते।

10. **चम्पत हो जाना** — भाग जाना

चोर सारा सामान लेकर चम्पत हो गया।

11. **दौड़-धूप करना** — खूब परिश्रम करना

बहुत दौड़-धूप करने के बाद भाई को नौकरी मिली।

12. **नाक में दम करना** — बहुत परेशान करना

हमारे पड़ोसी ने तो हमारी नाक में दम कर रखा है।

13. **पानी-पानी होना** — बहुत शर्मिन्दा होना

चोरी पकड़ी जाने पर रमेश पानी-पानी हो गया।

14. **पेट में चूहे कूदना** — बहुत भूख लगना

मुझे कुछ खाने को चाहिए, मेरे तो पेट में चूहे कूद रहे हैं।

15. **लाल-पीला होना** — बहुत गुस्सा करना

कपड़ों पर स्याही फैल जाने पर पिता जी लाल-पीले हो गए।

16. **हाथ साफ़ करना** — सामान चुराना

मौका पाकर चोरों ने दुकान पर हाथ साफ़ कर दिया।

कुछ अन्य मुहावरों के अर्थ पढ़िए और समझिए—

1. अँगूठा दिखाना — साफ इंकार कर देना
2. आँख लगना — नींद आना

3. उँगली उठाना	—	दोष लगाना
4. उल्लू बनाना	—	मूर्ख बनाना
5. कमर कसना	—	तैयार होना
6. कान खड़े होना	—	चौकन्ना होना
7. घी के दीये जलाना	—	खुशियाँ मनाना
8. चूड़ियाँ पहनना	—	कायर बनना
9. टेढ़ी खीर	—	कठिन काम
10. दाल में काला होना	—	शक होना
11. नौ दो ग्यारह होना	—	भाग जाना
12. भीगी बिल्ली बनना	—	डरकर बैठ जाना

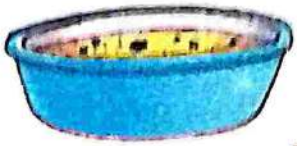

कुछ करके सीखें

1. मुहावरे के सही अर्थ पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) कान खा जाना—

(i) कान काटना ◯ (ii) खूब खाना खाना ◯ (iii) बहुत बोलना ◯

(ख) उँगली उठाना—

(i) एक उँगली उठाना ◯ (ii) दोष लगाना ◯ (iii) हाथ उठाना ◯

(ग) आँख लगना—

(i) डराना ◯ (ii) आँख में कुछ पड़ना ◯ (iii) नींद आना ◯

2. निम्नलिखित मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाइए—

(क) अँगूठा दिखाना	हैरान होना
(ख) दाँत खट्टे करना	भाग जाना
(ग) दाँतों तले उँगली दबाना	साफ़ मना कर देना
(घ) नौ दो ग्यारह होना	तैयार होना
(ङ) कमर कसना	हरा देना

3. नीचे कोष्ठक में दिए गए अर्थ का मुहावरा लिखकर खाली स्थान भरिए—

(क) हवलदार को अपनी ओर आते देख चोर ..... *(भाग जाना)* हो गए।

(ख) प्रणव तो दूसरों को ..... *(मूर्ख बनाना)* रहता है।

(ग) रात को सोते समय खट की आवाज़ सुनकर दीपक के ..... *(चौकन्ना होना)* गए।

(घ) पांडवों ने कौरवों की ..... *(नष्ट करना)* दी।

(ङ) आजकल मच्छरों ने सबकी ..... *(बहुत परेशान करना)* रखा है।

4. नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए—

(क) आँखों में धूल झोंकना .....

.....

(ख) ईंट से ईंट बजाना .....

.....

(ग) आसमान सिर पर उठाना .....

.....

(घ) चूड़ियाँ पहनना .....

.....

(ङ) पानी-पानी होना .....

.....

5. नीचे दिए गए चित्रों को देखिए, समझिए और उनके अनुसार सही मुहावरे लिखिए—

.....

.....

.....

.....

18

संवाद-लेखन (वार्तालाप)
Dialogue-Writing

दो या दो से अधिक लोगों का आपस में बातचीत करना संवाद कहलाता है। अपनी दिनचर्या में हम अनेक लोगों से बातचीत करते हैं। आप लोग भी खूब बातें करते होंगे। कभी अपने दोस्त से, तो कभी परिवार वालों से। इस बातचीत में शामिल होता है—कुछ पूछना, कुछ बताना, खुशी, आश्चर्य या अन्य भाव प्रकट करना (वाह!)।

इसी बातचीत को जब हम लिखकर दूसरों के सामने प्रस्तुत करते हैं, तो वह संवाद-लेखन कहलाता है। संवाद-लेखन का कार्य अधिकतर फ़िल्मों, नाटकों, एकांकी, रंगमंच आदि के लिए किया जाता है। संवाद लिखते समय ध्यान रखिए कि वाक्य छोटे हों तथा भाषा सरल और चुस्त हो। यदि आवश्यकता न हो तो पूरे वाक्य न दें।

एक छोटा-सा संवाद देखिए—

गोपाल : सुनिए! डाकघर कहाँ है?
राही : डाकघर स्टेशन के पास है।
गोपाल : स्टेशन यहाँ से कितनी दूर है?
राही : स्टेशन यहाँ से लगभग तीन किलोमीटर दूर है।
गोपाल : स्टेशन के लिए यहाँ से कौन-सी बस मिलती है?
राही : स्टेशन के लिए यहाँ से चार नम्बर की बस मिलती है।

संवाद में हम हाँ/नहीं वाले प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

गोपाल : यह बस स्टेशन जाएगी?
राही : नहीं, यह बस स्टेशन नहीं जाएगी।
गोपाल : स्टेशन वाली बस यहीं आएगी?
राही : हाँ, स्टेशन वाली बस यहीं आएगी।

संवाद के बारे में एक बात और जानना ज़रूरी है। हमने ऊपर के संवादों में उत्तर में पूरे वाक्य को दुहराया है। लेकिन बातचीत में हम छोटे-छोटे वाक्यों में उत्तर देकर बातचीत आगे बढ़ा सकते हैं। अब हम इसी संवाद को फिर से देखेंगे!

गोपाल : सुनिए! डाकघर कहाँ है?
राही : स्टेशन के पास है।

गोपाल : स्टेशन यहाँ से कितनी दूर है?

राही : लगभग तीन किलोमीटर।

गोपाल : स्टेशन के लिए यहाँ से कौन-सी बस मिलती है?

राही : चार नम्बर।

गोपाल : यह बस स्टेशन जाएगी?

राही : नहीं।

गोपाल : स्टेशन वाली बस यहाँ आएगी?

राही : हाँ, यहीं आएगी।

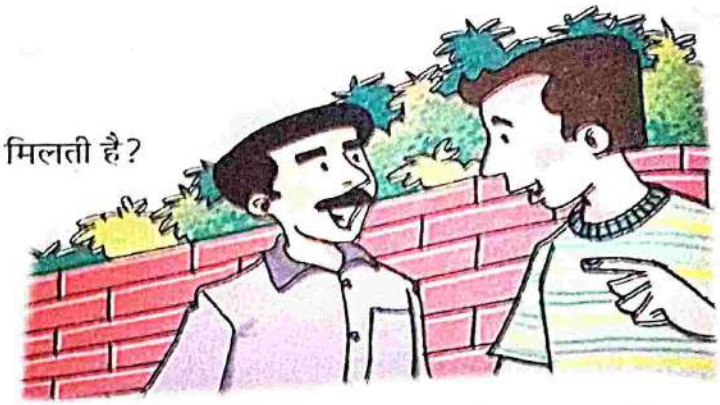

[तुम इसी संवाद को कुछ अलग जानकारी के लिए बदलकर लिखो। तुम्हें 'स्टेट बैंक' जाना है; वह रेलवे स्टेशन के सामने है। वह यहाँ से 8 किलोमीटर दूर है। वहाँ बस नम्बर 116 से जा सकते हो या ऑटो-रिक्शा ले सकते हो।]

एक अन्य संवाद पढ़िए—

पिता और पुत्र के बीच संवाद

पुत्र : पिता जी, मुझे पचास रुपये चाहिए।

पिता : पचास रुपये का क्या करोगे, बेटा?

पुत्र : मेरे मित्र का जन्मदिन है। मैं उसे एक पुस्तक दूँगा।

पिता : पुस्तक ही क्यों? कुछ और क्यों नहीं?

पुत्र : पिता जी, उसे पुस्तकें पढ़ने का बहुत शौक है। मैं उसे कहानियों की अच्छी-सी पुस्तक दूँगा।

पिता : तब तो ठीक है।

कुछ करके सीखें

1. अध्यापिका और छात्र के बीच संवाद (देर से विद्यालय आने पर)—

अध्यापिका : सन्दीप, आज विद्यालय आने में देर कैसे हो गई?

सन्दीप : मैडम, ...

अध्यापिका : क्यों, आज स्कूल-बस नहीं आई थी?

सन्दीप : नहीं, ...

अध्यापिका : कोई बात नहीं। आगे से समय का ध्यान रखना।

सन्दीप : धन्यवाद! .....।

2. दुकानदार और लड़की के बीच संवाद (खिलौने खरीदते हुए)—

लड़की : अंकल, वह गुड़िया .....
.....।

दुकानदार : पचास रुपये।

लड़की : ..... महँगी .....।
अच्छा, उस चाबी वाले बन्दर .....?

दुकानदार : वह बीस .....
.....।

लड़की : ठीक है। .....
.....।

3. आपकी माँ फेरीवाले से सब्ज़ी खरीद रही हैं। सब्ज़ी, ताजे फल, तोल, मोल-भाव आदि पर दोनों के संवाद लिखिए—

माँ : .....
.....

फेरीवाला : .....

माँ : .....
.....
.....

फेरीवाला : .....
.....

माँ : .....
.....

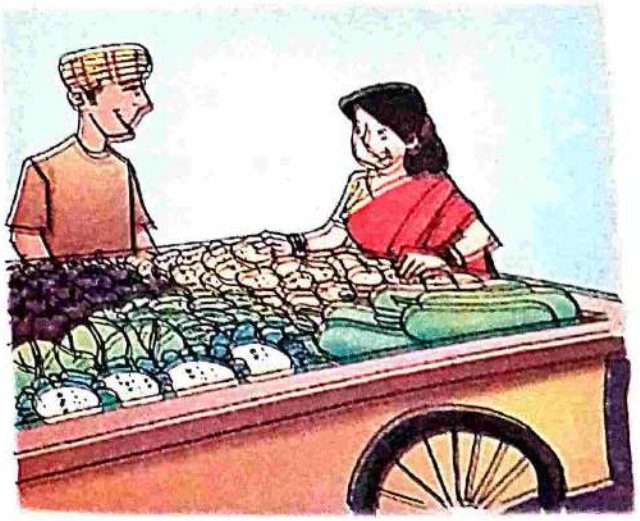

फेरीवाला : .....
.....

माँ : .....

फेरीवाला : .....
.....

19

निबन्ध लेखन
Essay-Writing

निबन्ध का अर्थ है—शब्दों व वाक्यों को अच्छी तरह से बाँधना। किसी विषय पर अपने अनुभव और कल्पना के आधार पर सही ढंग से लिखने को ही निबन्ध कहते हैं। निबन्ध को रोचक और प्रभावपूर्ण बनाने के लिए मुहावरों और कहावतों का प्रयोग किया जाता है।

निबन्ध लिखने के लिए हमें निम्नलिखित बातों को अपनाना चाहिए—

- विषय के बारे में अच्छी तरह से सोच-समझ लेना चाहिए।
- विषय के अनुरूप ही भाषा एवं शब्दों को चुनना चाहिए।
- प्रत्येक नई बात को नई लाइन से ही आरम्भ करना चाहिए।
- विचारों को क्रम से लिखना चाहिए।
- मूल विषय से हटना नहीं चाहिए।
- भाषा सरल और सुबोध होनी चाहिए। ऐसी भाषा पढ़ने वाले को प्रभावित करती है।
- निबन्ध का आरम्भ, मध्य भाग तथा उपसंहार एक-दूसरे से सम्बद्ध होने चाहिए।

1. अपना देश : प्यारा देश

भारत हमारा देश है। सबको अपना-अपना देश प्यारा होता है, पर भारत है ही प्यारा। यह भारतीयों को ही नहीं, विदेशियों को भी प्यारा है। प्राचीन काल से ही अनेक लोग यहाँ आए और यहीं के हो गए। समुद्र इसके पैर धोता है। हिमालय इसका मुकुट है। गंगा-जमुना इसका हार हैं। गोदावरी-कृष्णा-कावेरी इसके गुण गाती हैं। इसके खेतों में तरह-तरह की फ़सलें उगती हैं। धरती के नीचे अनेक कीमती खनिज हैं। यहाँ के लोग परिश्रमी और बुद्धिमान हैं। अब उनकी बुद्धि और विद्या का सभी लोहा मानते हैं। अपना देश है, प्यारा देश भारत।

2. व्यायाम तथा खेलकूद

जीवन में सुख और सफलता के लिए पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ व्यायाम व खेलकूद भी बहुत लाभप्रद होता है। व्यायाम तथा खेलकूद से हमारा शरीर भली-भाँति बढ़ता है, मज़बूत तथा फुर्तीला बनता है। व्यायाम व खेलकूद से शरीर की बीमारियों से रक्षा होती है। इनसे मन प्रसन्न रहता है तथा

चेहरे पर आभा झलकती है। व्यायाम तथा खेलकूद से हमारे अन्दर बहुत-से लोगों के सामने काम करने तथा बोलने का साहस पैदा होता है। दैनिक जीवन में सुखपूर्वक रहने के लिए शरीर का स्वस्थ होना अति आवश्यक है। अत: हमें पढ़ाई-लिखाई के साथ व्यायाम व खेलकूद का भी नियमित अभ्यास करना चाहिए।

3. मेरी प्रिय पुस्तक

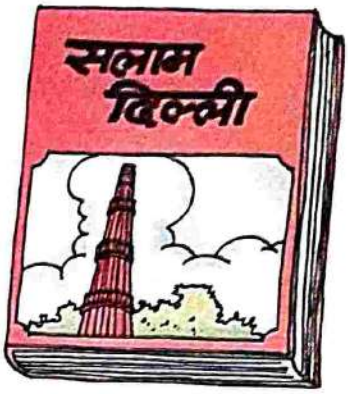

मेरे जन्मदिवस पर मेरी बुआ जी ने मुझे उपहार में पुस्तक दी। उसका नाम 'सलाम दिल्ली' है। यह लघु कथाओं की पुस्तक है। लघु कथाएँ छोटी-छोटी कहानियाँ होती हैं। इस पुस्तक की लघु कथाएँ बहुत अच्छी हैं। प्रत्येक लघु कथा कोई-न-कोई सन्देश देती है। इन्हें पढ़कर जीवन की बुराइयों को दूर करने की प्रेरणा मिलती है। इस पुस्तक को पढ़कर मैं भी लघु कथा लिखने लगा हूँ। मेरे मित्रों को तथा मेरी अध्यापिकाओं को भी यह पुस्तक बहुत अच्छी लगी है। मैंने इसे मेज़ पर सामने रखा है। जो भी आता है सबसे पहले इसे देखता है और पढ़ने बैठ जाता है। पुस्तकें 'सलाम दिल्ली' के समान रोचक और प्रेरणा देने वाली होनी चाहिए। मैं भी अपने मित्रों के जन्मदिन पर उन्हें अच्छी-अच्छी पुस्तकें भेंट किया करूँगा।

4. चिड़ियाघर की सैर

एक दिन हमारे अध्यापक जी ने कक्षा में बताया कि वे हमें चिड़ियाघर दिखाने ले जाएँगे। यह सुनते ही सभी बच्चे खुशी से तालियाँ बजाने लगे। हमें अध्यापक जी ने निर्देश दिया कि सभी बच्चे अपने साथ खाने की सामग्री तथा पानी की बोतल अवश्य रखें। धूप से बचने के लिए टोपी अवश्य लाएँ। अगले दिन हम बस के द्वारा चिड़ियाघर पहुँचे। बस में सभी बच्चों ने कविताएँ और चुटकले आदि सुनाकर मनोरंजन किया। चिड़ियाघर पहुँचकर सबसे पहले टिकटघर से टिकट खरीदें। फिर सभी पंक्ति बनाकर चिड़ियाघर के अन्दर गये। यहाँ जानवरों को अलग-अलग बाड़ों में रखा गया था। हमने वहाँ हिरन, शेर, गेंडा, हाथी, बाघ, जिराफ़, जेब्रा तथा अन्य जानवर देखे। हमें चिंपेंज़ी देखने में सबसे अधिक आनन्द आया। घूमते-घूमते थकने के बाद हमने

भोजन व आराम किया। फिर पक्षी घर में विभिन्न प्रकार के पक्षी देखे। नाचता हुआ मोर देखकर हम बहुत आनन्दित हुए। शाम को हम सभी बस में बैठकर वापस अपने विद्यालय पहुँचे। चिड़ियाघर की सैर करने में बहुत मजा आया तथा बहुत से पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी भी प्राप्त हुई।

5. समय का सदुपयोग

सन्त कबीर ने ठीक ही कहा था, "काल्ह करै सो आज कर, आज करै सो अब्ब" क्योंकि समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। जो व्यक्ति आज का काम आज न करके बाद के लिए टाल देता है, वह बाद में पछताता ही रह जाता है। बुद्धिमान व्यक्ति समय का मूल्य जानते हैं। वे अपने सभी कार्य समय पर करते हैं और सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते जाते हैं। आलसी और मूर्ख व्यक्ति कल की प्रतीक्षा करते रहते हैं, परन्तु उनका कल कभी नहीं आता। समय मुट्ठी में बन्द रेत की भाँति होता है, जिसे जितना पकड़ो, उतना ही हाथ से फिसलता चला जाता है। समय की परवाह न करनेवाले छात्र भी बाद में पछताते हैं। अत: समय का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि बीता समय लौटकर नहीं आता।

- नीचे दिए गए विषयों पर निबन्ध लिखिए—

(क) मेरा विद्यालय
(ख) मेरा शहर/गाँव
(ग) मेरा सबसे अच्छा मित्र
(घ) दीपावली (त्योहार)

20

कहानी-लेखन
Story-Writing

सभी बच्चों को कहानी सुनना और पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। वे कहानी सुनने के लिए बेचैन रहते हैं। बच्चे अगर आठ-दस कहानियाँ भी पढ़ या सुन लें, तो वे दूसरे बच्चों को कहानी सुनाने में कुछ-कुछ सक्षम हो जाते हैं। बच्चों को स्वयं भी कहानी लिखने का प्रयास करना चाहिए। कहानी लिखना एक कला है। इसे अभ्यास द्वारा निखारा जा सकता है। बच्चे सबसे पहले पढ़ी हुई कहानियों को ही अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें। फिर उन्हें चित्र देखकर तथा संकेत बिन्दुओं की सहायता से स्वयं कहानी लिखनी चाहिए!

आइए, कहानी लिखने के सम्बन्ध में अब कुछ बातें जानें! कहानी लिखने में कल्पना-शक्ति का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। जो भी विषय या चित्र आपको कहानी लिखने के लिए दिया जाए, उस पर पहले सोचिए, घटनाएँ तथा पात्र आदि को अपनी कल्पना से रूप दीजिए और कहानी लिख दीजिए।

कहानी लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए—

- कहानी में घटनाएँ क्रम के अनुसार हों।
- कहानी की भाषा सरल, सरस और स्पष्ट हो। कहानी का भाव सुनने व पढ़नेवाले की समझ में आसानी से आ जाना चाहिए।
- कहानी में रोचकता होनी चाहिए तथा उसका अन्त स्वाभाविक और प्रभावशाली होना चाहिए।
- कहानी का उद्देश्य भी स्पष्ट होना चाहिए।

हम यहाँ कुछ कहानियाँ दे रहे हैं। इन्हें पढ़िए, समझिए तथा इन्हीं की भाँति अन्य कहानियाँ स्वयं लिखने का अभ्यास कीजिए।

1. चतुर कौआ

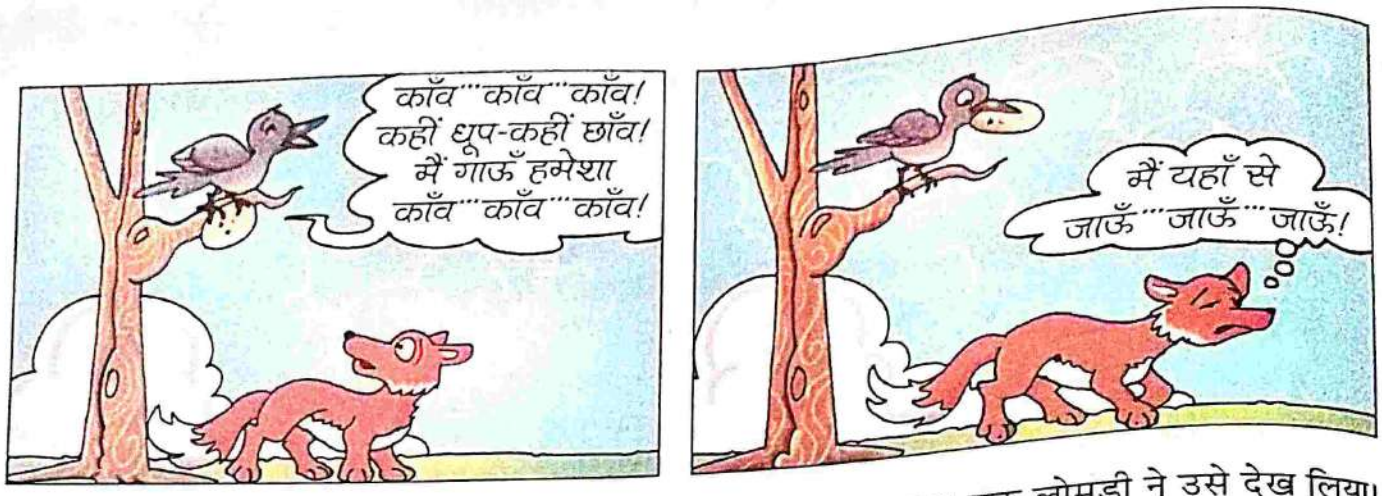

एक कौए को एक रोटी मिली। वह उसे लेकर एक पेड़ पर आ गया। एक लोमड़ी ने उसे देख लिया। वह चालाकी से उस रोटी को पाना चाहती थी। वह कौए के पास आई और बोली—"कौए भाई! तुम्हारी आवाज़ बहुत मीठी है। एक गाना सुनाओ न।" यह सुनकर कौए ने रोटी को अपने पंजे के नीचे दबाया और 'काँव-काँव' करने लगा। लोमड़ी यह देखकर बहुत हैरान हुई। तभी कौआ बोला—"लोमड़ी बहन! सुन लिया गाना। मीठा था न? अब तुम जाओ, मुझे रोटी खानी है।" यह कहकर कौआ सारी रोटी खा गया। लोमड़ी बेचारी देखती रह गई।

शिक्षा—चापलूसी से सावधान रहें।

2. लोमड़ी और उसकी चतुराई

संकेत बिन्दु : एक बूढ़ा शेर — कई दिनों से भूखा — एक दिन जंगल में भटक रहा था — उसने एक गुफा देखी— शिकार के लालच में गुफा के अन्दर बैठ गया। — गुफा लोमड़ी की थी — लोमड़ी का गुफा की तरफ़ आना — गुफा के बाहर शेर के पंजों के निशान — खतरा भाँपकर उसने अपनी बुद्धि से सोचा — उसने गुफा को कहा — गुफा की ओर से कोई उत्तर न मिला — लोमड़ी बोली — तो मैं यह — अन्दर से शेर की आवाज़ — लोमड़ी वहाँ से बचकर चली जाती है।

एक जंगल में एक शेर रहता था। वह बहुत बूढ़ा हो गया था और बुढ़ापे की वजह से शिकार भी नहीं कर पाता था। कई-कई दिन उसे भूखा रहना पड़ता था। एक दिन भूख से बेचैन होकर वह शिकार के लिए निकला। काफ़ी दूर चलने पर भी जब उसे कोई शिकार नहीं मिला, तो वह थककर बैठ गया। अभी वह बैठा ही था कि उसकी नज़र एक गुफा पर पड़ी। उसने सोचा कि अवश्य ही इस गुफा में कोई जानवर रहता होगा। उसे लालच आ गया।

शेर ने सोचा कि वह गुफा के अन्दर जाकर छिप जाएगा और जब कोई जानवर आएगा तो वह धोखे से उसे पकड़कर खा जाएगा। वह उस गुफा के अन्दर जाकर बैठ गया और शिकार का इंतज़ार करने लगा।

गुफा एक लोमड़ी की थी। लोमड़ी जब अपनी गुफा के पास लौटी, तो गुफा के बाहर शेर के पंजों के निशान देखकर वह चौंक गई। उसे खतरे का अहसास हो गया। लोमड़ी चालाक थी। उसने खतरे से बचने के लिए सोचना शुरू कर दिया। लोमड़ी ने अपनी बुद्धि पर ज़ोर डाला और तब उसे एक तरकीब सूझी।

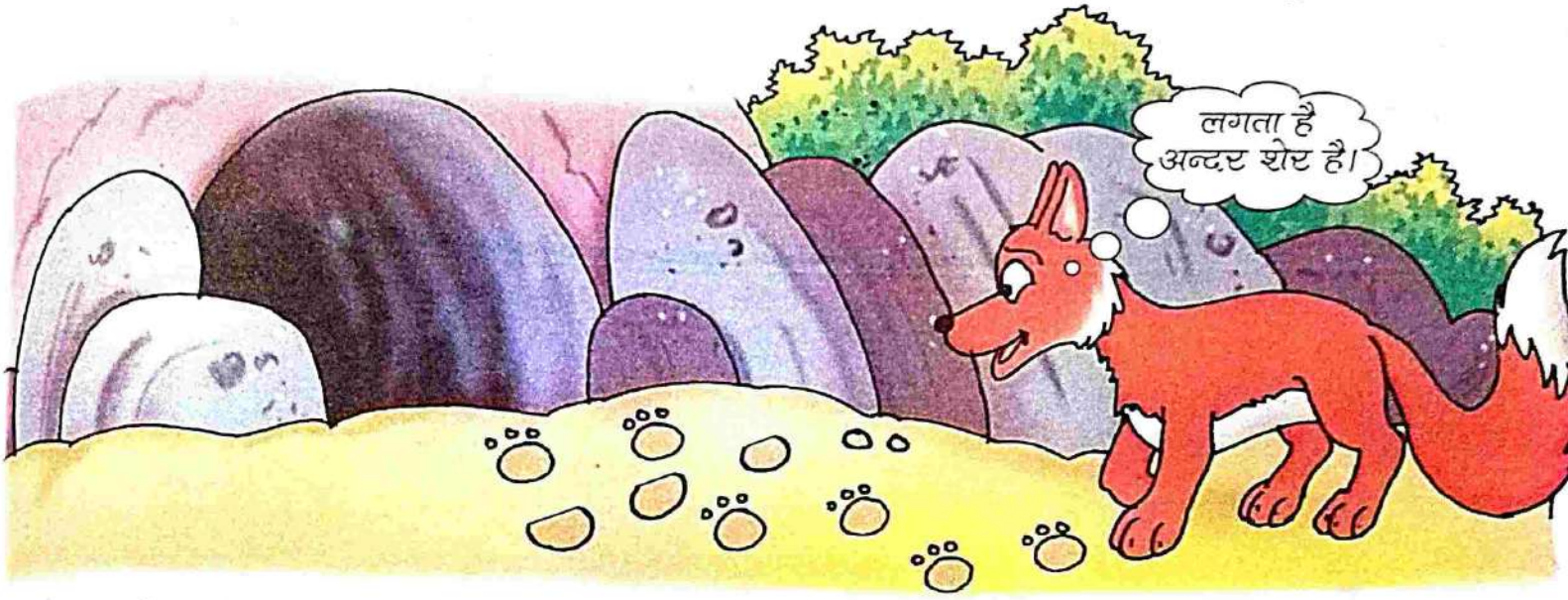

लोमड़ी गुफा के बाहर खड़ी होकर ज़ोर-ज़ोर से बोलने लगी—"गुफा! ओ गुफा!" गुफा की ओर से कोई उत्तर न पाकर वह बोली—"देख गुफा! तू अगर न बोली, तो मैं यह गुफा छोड़कर दूसरी जगह चली जाऊँगी। तुझे याद नहीं, हमने आपस में क्या वादा किया था? जब मैं बाहर से आकर तुझे पुकारा करूँगी, तो तू मुझे जवाब दिया करेगी। ठीक है, अगर तू नहीं बोलती, तो मैं चली दूसरी जगह।"

लोमड़ी की बात सुनकर गुफा के अन्दर बैठे शेर ने सोचा कि यह गुफा सचमुच ही बोलती होगी। यह सोचकर शेर अपनी आवाज़ बदलकर बहुत ही मधुर वाणी में बोला—"अरे नहीं, लोमड़ी बहन! नाराज़ मत होओ। मैं ज़रा सो गई थी। आओ, अन्दर आ जाओ।"

अपनी तरकीब कामयाब होते देखकर लोमड़ी बहुत खुश हुई। फिर वह नकली गुस्सा दिखाते हुए बोली—"मूर्ख शेर! तुझे इतना भी नहीं पता कि गुफा कभी नहीं बोलती। शरीर के साथ-साथ तेरा दिमाग भी बूढ़ा हो गया है। अब तू बैठ यहाँ, मैं चली।" इतना कहकर लोमड़ी तेज़ी से भाग गई। शेर हाथ मलता रह गया।

इस प्रकार लोमड़ी ने चतुराई से काम लेकर अपनी जान बचाई।

शिक्षा—बुद्धि से काम लेने से बड़ी-से-बड़ी समस्या का हल पाया जा सकता है।

कुछ करके सीखें

1. नीचे कुछ चित्र तथा कहानी की मुख्य बातें दी गई हैं। इनकी सहायता से कहानी लिखिए तथा उसे नाम भी दीजिए—

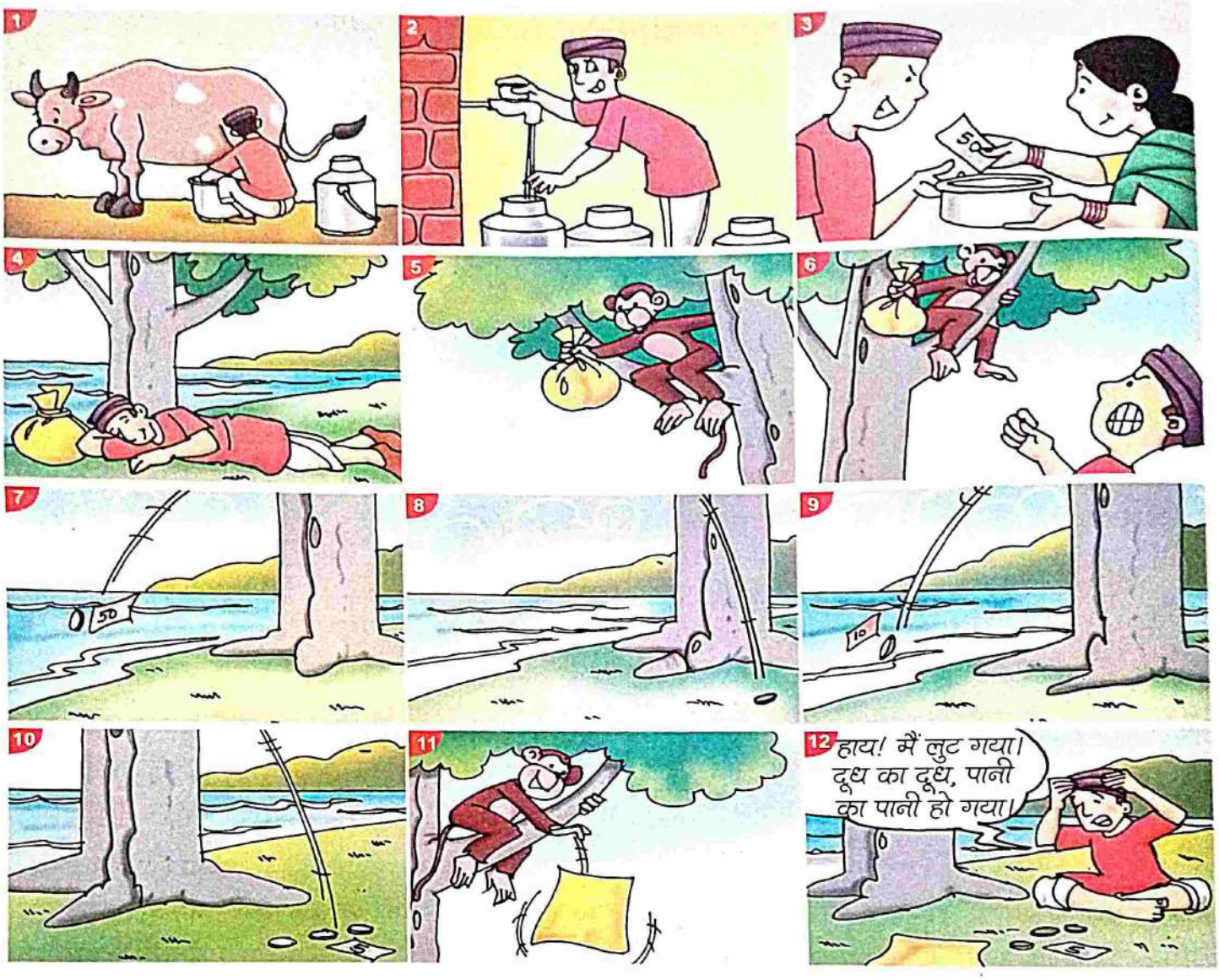

1. दूध दुहना। 2. पानी मिलाना। 3. दूध बेचकर पैसे लेना। 4. पेड़ के नीचे सोना, थैला पास में। थैले में सारा पैसा। पास में नदी। 5. एक बन्दर थैला उठाकर पेड़ पर चढ़ जाता है। 6. बन्दर पेड़ पर। आदमी नीचे खड़ा। मिन्नत। 7. एक पैसा पानी में। 8. एक नीचे जमीन पर। 9. एक पैसा पानी में। 10. एक नीचे। 11. खाली थैला फेंक देना। सिर्फ़ थोड़े पैसे नीचे। 12. आदमी परेशान—" हाय! मैं लुट गया। दूध का दूध, पानी का पानी हो गया।"

2. नीचे दिए गए संकेतों और चित्रों की सहायता से कहानी पूरी कीजिए—

एक गाँव — गाँव के बाहर रास्ते में एक पत्थर — लोगों का उससे टकराना — लेकिन किसी का भी उसे न हटाना — भला-बुरा कहते हुए आगे बढ़ना — एक किसान का आना — पत्थर हटाकर दूर रखना — पत्थर के नीचे रुपयों की थैली — चिट्ठी — 'पत्थर हटाने का इनाम'।

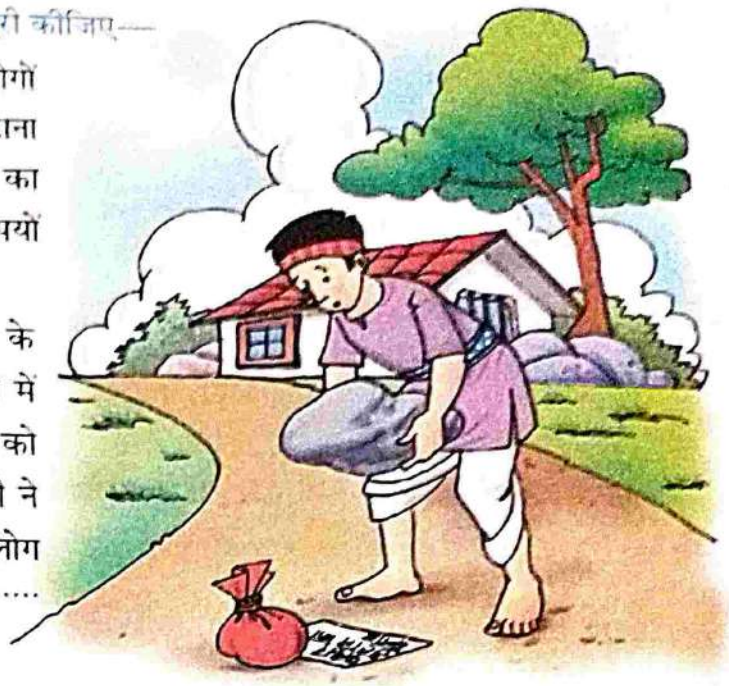

एक छोटा-सा ..... था। गाँव के बाहर ..... था। रास्ते के बीच में ..... पड़ा हुआ था। कई लोगों को उससे ..... लगी लेकिन किसी ने भी पत्थर को ..... नहीं रखा। लोग पत्थर को बुरा-भला कहते हुए ..... बढ़ जाते।

एक दिन उस ..... से एक गरीब किसान ..... रहा था। उसको भी ..... से ठोकर लगने ..... थी, पर वह ..... गया। उसने सोचा कि रोज़ न जाने कितने ..... को ठोकर लगती होगी। इसे रास्ते से ..... देना चाहिए। किसान ने ज़ोर लगाकर पत्थर ..... और रास्ते के किनारे ..... दिया। पत्थर के नीचे एक ..... थी। किसान ने वह थैली ..... । उसमें एक ..... और कुछ ..... थे। चिट्ठी में लिखा था — '..... का इनाम'।

3. दी गई रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए—

जंगल में एक भेड़िया — उसके गले में हड्डी का फँसना — दर्द से चीखना — सारस के पास जाना — सारस का घबराकर उड़ना — भेड़िये द्वारा उससे ठहरने की प्रार्थना करना — अपने गले में फँसी हड्डी के बारे में बताना — हड्डी निकालने की प्रार्थना करना। सारस का घबराना — भेड़िये द्वारा खा जाने का भय — भेड़िये द्वारा उसे न डरने तथा इनाम देने की बात कहना — सारस को दया आना — अपनी लम्बी चोंच से हड्डी का टुकड़ा निकालना — इनाम माँगना — भेड़िये द्वारा बताना कि उसके द्वारा — सारस को न खाया जाना ही इनाम बताना और चुपचाप भाग जाने को कहना।

21

पत्र-लेखन
Letter-Writing

पत्र लिखित भाषा का एक रूप है। वर्तमान समय में संचार के नए-नए साधनों के होने के बावजूद, पत्र आज भी संचार का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। इसके द्वारा हम दूर रहनेवाले अपने मित्रों, रिश्तेदारों, प्रियजनों और अन्य लोगों तक अपनी बात पहुँचाते हैं तथा उन्हें अपनी कुशलता की जानकारी देते हैं।

पत्र दो प्रकार के होते हैं—

1. औपचारिक पत्र—ये पत्र विद्यालय के आचार्यों, अधिकारियों, व्यापारियों तथा पुस्तक-विक्रेताओं आदि को लिखे जाते हैं। इनमें सन्देश की प्रधानता रहती है।

2. घरेलू अथवा व्यक्तिगत पत्र—ये पत्र अपने मित्रों, सम्बन्धियों, परिचितों आदि को लिखे जाते हैं।

पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें—

पत्र लिखना एक कला है। इसलिए इसे लिखते समय कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है—

- पत्र की भाषा सरल, सहज और स्पष्ट होनी चाहिए।
- पत्र में लिखे वाक्य छोटे-छोटे और अर्थ देने वाले होने चाहिए।
- पत्र में लिखावट साफ़ और सुन्दर होनी चाहिए।
- विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग होना चाहिए, अन्यथा पूरे पत्र का अर्थ बदल सकता है।
- जिसको पत्र लिखा जा रहा है, उसके लिए उचित सम्बोधन का प्रयोग करना चाहिए।
- औपचारिक पत्रों में सम्बोधन के तौर पर मान्यवर, महोदय/महोदया आदि का प्रयोग होता है।
- अनौपचारिक या घरेलू पत्रों में मित्रों तथा अपने से छोटों के लिए प्रिय और बड़ों के लिए आदरणीय/पूजनीय शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

यह भी जानिए—

- औपचारिक और घरेलू/व्यक्तिगत पत्रों में पता, तिथि, सम्बोधन आदि सभी कुछ बाईं तरफ से लिखना शुरू किया जाता है।
- सबसे ऊपर अपना पता लिखिए।
- फिर पत्र लिखने की तारीख लिखिए।
- जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उसके लिए उपयुक्त सम्बोधन।
- फिर अभिवादन।

- पत्र में जो कुछ कहना है, वह बात/वे बातें।
- पत्र पानेवाले के साथ अपना सम्बन्ध।
- अन्त में अपना नाम।
- पत्र भेजने वाले लिफ़ाफे पर पत्र पाने वाले का नाम और पता

पता लिखने के लिए पोस्टकार्ड (अब बन्द हो गया है) एवं अन्तर्देशीय पत्र (Inland Letter) पर निश्चित स्थान होता है। लिफ़ाफे पर बीच में पता लिखा जाता है। पता स्पष्ट लिखना चाहिए, जिससे पत्र सही स्थान पर पहुँचकर सही व्यक्ति को मिल सके। पते के अन्त में पिन-कोड भी लिखा जाना चाहिए।

1. नए विद्यालय के विषय में अपनी सखी को पत्र

जी-176, प्रताप विहार,

गाजियाबाद

5, जुलाई, ...

प्रिय सखी रश्मि,

सप्रेम नमस्कार!

इस बार की छुट्टियों में हम शिमला गए थे। वहाँ बहुत मज़ा आया। 1 जुलाई से मेरा स्कूल खुल गया है। इस बार मैंने एक नए विद्यालय में प्रवेश लिया है। इसका नाम 'भारती विद्या भवन' है। यह स्कूल हाईस्कूल कक्षा तक है। स्कूल की इमारत बहुत बड़ी और सुन्दर है। खेलकूद के लिए बड़ा-सा मैदान है। इस विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यहाँ मेरे कुछ नए मित्र बन गए हैं। मुझे यह विद्यालय बहुत अच्छा लगा। माता-पिता और अंजलि दीदी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी सखी

निकिता

2. मित्र को परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर बधाई-पत्र

249/5, नेहरू नगर,

मेरठ — 250 001

दिनांक .....

प्रिय मित्र अर्चित,

सप्रेम नमस्कार!

तुम्हारा पत्र मिला। पत्र पाकर बहुत खुशी हुई। तुमने परीक्षा में अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह जानकर सबको अत्यन्त प्रसन्नता हुई।

मुझे आशा है कि तुम अपने विद्यालय में सदैव प्रथम स्थान पाओगे। मेरी बधाई स्वीकार करो। मेरी परीक्षा का परिणाम अभी नहीं मिला है। आने पर तुम्हें अवश्य लिखूँगा। परिवार में सबको मेरा प्रणाम।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

ईशान

3. विद्यालय से अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य

.....

.....

महोदय,

निवेदन है कि मेरी बड़ी बहिन का विवाह दिनांक ..... को होना निश्चित हुआ है। अत: इस अवसर पर घर पर अधिक कार्य होने के कारण मैं विद्यालय में उपस्थित न हो सकूँगा।

आपसे प्रार्थना है कि मुझे दिनांक ..... से ..... तक चार दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

.....

कक्षा—4 बी

दिनांक .....

कुछ करके सीखें

- निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए—

(क) जन्म-दिन पर निमन्त्रण देने के लिए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(ख) अपने मित्र को पिकनिक पर जाने के लिए निमन्त्रण देते हुए पत्र लिखिए।

(ग) अपने पिता जी को अपनी पढ़ाई के विषय में छात्रावास से पत्र लिखिए।

(घ) घर पर आवश्यक कार्य हेतु अवकाश के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

22

अपठित गद्यांश
Unseen Passage

गद्य का ऐसा अंश जो पहले पढ़ा न गया हो, अपठित गद्यांश कहलाता है। इन्हें पढ़कर छात्रों को इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। इससे बच्चों की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का विकास होता है, उनकी रचनात्मक क्षमता बढ़ती है तथा उनकी भाषा में भी सुधार आता है।

अपठित गद्यांश हल करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए—

- सबसे पहले दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर अच्छी तरह समझें।
- गद्यांश की मुख्य बातों को पेन्सिल से रेखांकित करें।
- अब रेखांकित बातों को दोबारा ध्यान से पढ़ें।
- दिए गए प्रश्नों को पढ़कर गद्यांश से उनके सही उत्तर ढूँढ़ें।
- सही उत्तर मिलने पर उन्हें अपनी शब्दावली में सुन्दर तथा सटीक रूप से लिखें।
- गद्यांश का शीर्षक अथवा अन्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाने पर उचित उत्तर दें।

आइए, अब कुछ अपठित गद्यांश (प्रश्नोत्तर सहित) पढ़िए, समझिए और उनके अनुरूप अभ्यासार्थ गद्यांशों को हल कीजिए—

गांधी जी देशभर में जगह-जगह जाते, लोगों से आज़ादी के संघर्ष की बात करते और चन्दा इकट्ठा करते। फिर उस धन को उस क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए दे दिया करते थे। एक गरीब महिला ने अपनी बच्ची की कलाई पर पहना चाँदी का पतला-सा हलका, नाममात्र का कड़ा गांधी जी को दिया तो उनका हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने कहा, "यह छोटा-सा कड़ा मेरे लिए लाखों रुपये के हीरे के आभूषणों से बड़ा है।"

प्रश्न 1 सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) गांधी जी जगह-जगह जाकर किसके बारे में बात करते थे?

(i) चन्दे के बारे में ◯ (ii) आज़ादी के बारे में ✓

(iii) आभूषणों के बारे में ◯

(ख) इकट्ठे किए गए धन को किस काम में लगाया जाता था?

(i) आज़ादी के लिए ◯ (ii) लोगों की भलाई के लिए ✓

(iii) हथियारों की खरीद के लिए ◯

(ग) महिला ने किसकी कलाई से कड़ा उतारकर दिया था?

(i) अपनी कलाई से ◯ (ii) बच्ची की कलाई से ✓

(iii) लड़के की कलाई से ◯

प्रश्न 2 गांधी जी को कड़ा हीरे के आभूषणों से भी बड़ा क्यों लगा?

उत्तर गरीब महिला की सच्ची देशभक्ति और उदारता के कारण गांधी जी को वह कड़ा लाखों रुपये के हीरे के आभूषणों से भी बड़ा लगा।

प्रश्न 3 इस अनुच्छेद के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तर सच्ची देशभक्ति।

II

शाम के समय हम सब टी०वी० देखते हैं। गीत, सिनेमा, खेल, फिल्म देखने में ही अपना कीमती समय गँवा देते हैं। वास्तव में, टी०वी० देखना खराब बात नहीं है, लेकिन अधिक समय तक टी०वी० देखना सेहत के लिए ठीक नहीं है। ईश्वर ने हमें कुछ बनने और कुछ करने के लिए जीवन दिया है, इसलिए इसे केवल हँसी-खेल में बिताना ठीक नहीं। हर काम के लिए समय निकालना चाहिए। यदि हमने समय का सही रूप से पालन किया, तो हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा।

प्रश्न 1 टी०वी० अधिक समय तक क्यों नहीं देखना चाहिए?

उत्तर क्योंकि अधिक समय तक टी०वी० देखना हमारे स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

प्रश्न 2 हमारा भविष्य उज्ज्वल कैसे होगा?

उत्तर यदि हम प्रत्येक काम के लिए अलग-अलग समय निकालकर उसे पूरा करते रहें, तो हमारा भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होगा।

प्रश्न 3 इस गद्य का कोई एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तर इस गद्य का उपयुक्त शीर्षक है—समय-पालन।

कुछ करके सीखें

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

I. सच्चा मित्र एक शिक्षक की भाँति होता है। जिस प्रकार शिक्षक छात्र को सन्मार्ग की ओर अग्रसर करता है, उसी प्रकार सच्चा मित्र अपने मित्र को पाप के गर्त में गिरने से बचाता है। मानव जीवन अधिक रहस्यपूर्ण है। कभी-कभी जीवन में ऐसे अवसर भी आते हैं, जब मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है और उसका मन पाप की ओर दौड़ता है। ऐसे समय में मित्र का ही उपदेश अधिक कल्याणकारी सिद्ध होता है। मित्र के उपदेश का जितना प्रभाव हृदय पर पड़ता है, उतना किसी और का नहीं।

प्रश्न 1 सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) सच्चा मित्र होता है—

(i) शिक्षक की भाँति ◯ (ii) छात्र की भाँति ◯ (iii) पड़ोसी की भाँति ◯

(ख) बुद्धि नष्ट होने पर मनुष्य क्या करता है?

(i) पुण्य ◯ (ii) पाप ◯ (iii) कुछ नहीं ◯

(ग) मित्र के उपदेश का प्रभाव किस पर पड़ता है?

(i) हृदय पर ◯ (ii) दिमाग पर ◯ (iii) किसी पर नहीं ◯

प्रश्न 2 उपर्युक्त गद्यांश का कोई उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तर .....

प्रश्न 3 शब्द का अर्थ से सही मिलान कीजिए—

मित्र	अच्छा रास्ता
गर्त	मौका
सन्मार्ग	दिल
अवसर	गड्ढा
हृदय	दोस्त

प्रश्न 4 उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

सच्चा	.....	पाप	.....
नष्ट	.....	सन्मार्ग	.....
जीवन	.....	मित्र	.....

II. सुनिधि पहाड़ों पर घूमने गई। वहाँ उसने देखा कि एक बहुत बड़े पेड़ पर अखरोट लगे हुए थे। सुनिधि ने अखरोट का पेड़ पहली बार देखा था। पेड़ के पास कद्दू की भी बेल थी। उस पर बड़े-बड़े कद्दू लगे हुए थे। सुनिधि को अखरोट भी पसन्द थे और कद्दू भी। सुनिधि सोचने लगी—इतने बड़े पेड़ पर छोटे-छोटे

अखरोट। इतनी छोटी-सी बेल पर बड़े-बड़े कद्दू। ऐसा क्यों? बड़े पेड़ पर बड़े कद्दू होने चाहिए। छोटी बेल पर छोटे अखरोट होने चाहिए। वह पेड़ के नीचे बैठी-बैठी यही सोचने लगी। टप! तभी उसके सिर पर एक छोटा-सा अखरोट गिरा। वह चौंक गई। उसने कहा, "पेड़ पर तो अखरोट ही ठीक है। अगर कहीं कद्दू होता तो मेरा क्या होता?"

प्रश्न सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) सुनिधि घूमने के लिए कहाँ गई थी?

(i) मैदान में

(ii) पार्क में

(iii) पहाड़ों पर

(ख) सुनिधि ने पहली बार क्या देखा?

(i) कद्दू की बेल

(ii) अखरोट का पेड़

(iii) पहाड़

(ग) सुनिधि के सिर पर क्या गिरा?

(i) कद्दू

(ii) अखरोट

(iii) पत्ता

(घ) सुनिधि को किस बात पर हैरानी थी?

(i) पेड़ पर अखरोट लगे हैं

(ii) बेल पर कद्दू लगे हैं

(iii) बड़े पेड़ पर छोटे अखरोट और छोटी बेल पर बड़े कद्दू

(ङ) अगर पेड़ पर कद्दू होता तो क्या होता?

(i) सुनिधि के सिर पर चोट लग जाती

(ii) उसे मज़ा आता

(iii) कद्दू नहीं गिरता

PERIODIC TEST : Term 1

(अध्याय 1 से 6 पर आधारित)

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

समय : .....

पूर्णांक : .....

(क) सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

1. 'क्ष' संयुक्त व्यंजन किनके मेल से बना है?
   (i) क् + श ☐ (ii) क् + ष ☐ (iii) क् + स ☐
2. अर्थ के आधार पर शब्द के भेद हैं?
   (i) दो ☐ (ii) तीन ☐ (iii) चार ☐
3. कौन-सा पुल्लिग संज्ञा शब्द है?
   (i) नदी ☐ (ii) सागर ☐ (iii) झील ☐

(ख) सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए—

1. दो अथवा दो से अधिक वर्णों के मेल को शब्द कहते हैं। ☐
2. अविकारी शब्दों को 'अव्यय' कहते हैं। ☐
3. संयुक्त व्यंजन चार होते हैं—क्ष, त्र, ज्ञ, श्र। ☐
4. वर्णों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं। ☐
5. संज्ञा के तीन भेद होते हैं। ☐

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के स्वर और व्यंजन अलग-अलग कीजिए—

1. महिला = ...
2. सैनिक = ...
3. नौकरानी = ...
4. लेखिका = ...

(घ) लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

1. लेखक कविता लिख रहा है। .....
2. दादाजी अखबार पढ़ रहे हैं। .....
3. मोरनी नाच रही है। .....
4. शिक्षिका कक्षा में पढ़ा रही है। .....

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. संज्ञा की परिभाषा लिखिए।
2. लिपि किसे कहते हैं?
3. सार्थक शब्द किन्हें कहते हैं?

HALF-YEARLY Test Paper

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (अध्याय 1 से 11 पर आधारित) समय : .....
पूर्णांक : .....

(क) सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

1. 'सेना' किस प्रकार की संज्ञा का उदाहरण हैं?
   (i) व्यक्तिवाचक ☐ (ii) जातिवाचक ☐ (iii) समूहवाचक ☐
2. बच्चे की दोनों ..... नीली हैं।
   (i) आँखे ☐ (ii) आँख ☐ (iii) आँखें ☐
3. 'तितली फूल पर बैठी थी।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा काल है?
   (i) वर्तमान काल ☐ (ii) भूतकाल ☐ (iii) भविष्यत् काल ☐
4. तुम्हें यहाँ किसने बुलाया है? 'किसने' कौन-सा सर्वनाम है?
   (i) सम्बन्धवाचक ☐ (ii) प्रश्नवाचक ☐ (iii) अनिश्चयवाचक ☐
5. 'वह व्यक्ति डॉक्टर है?' इस वाक्य में विशेष्य है—
   (i) वह ☐ (ii) व्यक्ति ☐ (iii) डॉक्टर ☐

(ख) क्रिया शब्दों के सही रूपों से वाक्य पूरे कीजिए—

1. मधुर आज विद्यालय ..... । (जाना)
2. आज हम भी पतंग ..... । (उड़ाना)
3. बच्चे कक्षा में ..... रहे हैं। (पढ़ना)
4. नानी ने बच्चों को कहानी ..... । (सुनाना)
5. मुदित पार्क में ..... रहा है। (खेलना)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को दिए गए कालों में बदलिए—

1. बच्चा खिलौनों से खेल रहा है। (भूतकाल) .....
2. पक्षी चहचहा रहे थे। (वर्तमानकाल) .....
3. हम कल घूमने जाएँगे। (भूतकाल) .....
4. वह अपने गाँव गया था। (भविष्यत् काल) .....
5. गरिमा मुम्बई जाएगी। (वर्तमान काल) .....

(घ) निम्नलिखित विशेषण शब्दों का विशेष्य से मिलान कीजिए—

विशेषण	विशेष्य
1. वीर	(i) पर्वत
2. ऊँचा	(ii) चावल
3. दो मीटर	(iii) फूल
4. चार किलो	(iv) सिपाही
5. सुगंधित	(v) कपड़ा

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए—

1. हिरन तेज दौड़ता है। .....
2. वह प्रतिदिन पढ़ती है। .....
3. पेड़ के नीचे गाय बैठी है। .....
4. अहा! कितना सुहावना मौसम है। .....
5. राम और सीता वन को गए। .....

(च) निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए—

पड़ोसी	.....	ग्वाला	.....
माली	.....	गायक	.....
विद्वान	.....	सेवक	.....

(छ) दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए—

1. कुत्ते ने चोर को पकड़ा ....
2. गंगा पर्वत से निकलती है। ....
3. आम में मिठास है। ....
4. जंगल में शेर दहाड़ रहा है। ....

(ज) रेखांकित शब्द का वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

1. <u>चूहा</u> कागज़ कुतर रहा था। .....
2. <u>बच्चे</u> गीत गाने लगे। .....
3. मौसी <u>खिलौना</u> लाईं। .....
4. <u>पेड़</u> से <u>पत्ता</u> नीचे गिर रहा है। .....

(झ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. क्रिया का मूल रूप क्या होता है?
2. क्रियाविशेषण से आप क्या समझते हैं?
3. विशेष्य किसे कहते हैं?
4. सर्वनाम के भेद लिखिए।
5. काल कितने प्रकार के होते हैं?

PERIODIC TEST : Term 2

(अध्याय 1 से 16 पर आधारित)

समय : .....

पूर्णांक : .....

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(क) सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

1. पंजाबी भाषा की लिपि है—
   (i) फारसी ☐ (ii) गुरुमुखी ☐ (iii) देवनागरी ☐
2. पेड़ की सारी ..... झड़ गईं।
   (i) पत्ती ☐ (ii) पत्तियाँ ☐ (iii) पत्तियों ☐
3. भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है—
   (i) बचपन ☐ (ii) मन्दिर ☐ (iii) सूर्य ☐

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. ..... हमारी राष्ट्रभाषा है।
2. शब्दों के सार्थक समूह को ..... कहते हैं।
3. सभी नाम ..... कहलाते हैं।
4. वचन बदलने पर ..... भी बदल जाता है।
5. क्रिया का मूल रूप ..... कहलाता है।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

अधूरा	.....	खुशी	.....
अज्ञान	.....	विजय	.....
छाया	.....	छोटा	.....

(घ) निम्नलिखित शब्दों को पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए—

1. सूरज	(i) पानी, नीर
2. धरती	(ii) पुष्प, सुमन
3. जल	(iii) नीरज, पंकज
4. कमल	(iv) भूमि, पृथ्वी
5. फूल	(v) रवि, सूर्य

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. स्वर और व्यंजन में अन्तर बताइए।
2. वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।
3. वचन हमें किस बात का बोध कराते हैं?

ANNUAL Test Paper

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

समय : .....
पूर्णांक : .....

(क) सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

1. आश्चर्य के लिए कौन-सा विस्मयादिबोधक शब्द है?
   (i) अरे! ☐ (ii) उफ़! ☐ (iii) हाय! ☐
2. 'संसार' का पर्यायवाची शब्द है—
   (i) उपवन ☐ (ii) जगत ☐ (iii) गृह ☐
3. 'प्राचीन' का विलोम शब्द है—
   (i) विदेश ☐ (ii) बाहर ☐ (iii) आधुनिक ☐
4. 'पाँच किलो चीनी' में कौन-सा विशेषण है?
   (i) संख्यावाचक ☐ (ii) सार्वनामिक ☐ (iii) परिमाणवाचक ☐
5. समान अर्थ वाले शब्दों को कहते हैं—
   (i) समानार्थी ☐ (ii) पर्यायवाची ☐ (iii) दोनों ☐

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में कर्ता, क्रिया तथा कर्म पहचानकर लिखिए—

	कर्ता	क्रिया	कर्म
1. जंगल में मोर नाच रहा है।	.....	.....	.....
2. वे पुस्तक पढ़ रहे हैं।	.....	.....	.....
3. बच्चे पतंग उड़ाते हैं।	.....	.....	.....
4. बन्दर ने केले खाए।	.....	.....	.....
5. कोयल पेड़ पर बैठी है।	.....	.....	.....

(ग) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए—

मिठाई	.....	खरबूजा	.....
तितली	.....	लड़का	.....
चिट्ठी	.....	पंखा	.....
सड़क	.....	पुस्तक	.....

(घ) निम्नलिखित मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाइए—

1. आँखें दिखाना	(i) खूब परिश्रम करना
2. दौड़-धूप करना	(ii) दोष लगाना
3. लाल-पीला होना	(iii) तैयार होना
4. कमर कसना	(iv) गुस्सा करना
5. उँगली उठाना	(v) बहुत गुस्सा करना

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए—

1. आकाश ....
2. ईश्वर ....
3. मनुष्य ....
4. पर्वत ....

(च) निम्नलिखित वाक्यांश/अनेक शब्द के लिए एक शब्द लिखिए—

1. श्रम करने वाला .....
2. मधुर बोलने वाला .....
3. सत्य बोलने वाला .....
4. शहर में रहने वाला .....

(छ) नीचे लिखे अनुच्छेद में कई स्थानों पर गलत विराम-चिह्न लग गए हैं। उन्हें ढूँढ़कर उनके ऊपर गोला लगाइए–

एक घने जंगल में एक शेर सो रहा था। तभी कहीं से एक मच्छर वहाँ आया और शेर के ऊपर मँडराने लगा? शेर गुस्से से बोला, अरे मच्छर। तू मुझे क्यों परेशान कर रहा है! मच्छर ने कहा, मुझे पकड़कर दिखाओ तो जानूँ। शेर को और गुस्सा आ गया। वह जोर-जोर से पँजे चलाकर उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा। परन्तु मच्छर उसके हाथ नहीं आया!

(ज) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़िए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

विद्यार्थी–जीवन परिश्रम करने के लिए ही है। यदि तुम इस समय कठोर परिश्रम करके पढ़ोगे तो जीवन-भर सुखी रहोगे। बहुत-से बच्चे परिश्रम से जी चुराते हैं। ऐसे बच्चों को बड़े होने पर दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। जरा सोचो, यदि एक शेर अपनी गुफा में लेटा रहे और शिकार करने न जाये तो क्या उसका शिकार अपने आप उसके मुँह में आ जायेगा? नहीं। बहुत-से बच्चे सोचते हैं कि हम परिश्रम क्यों करें? यदि हमारे भाग्य में होगा तो हमें अवश्य सफलता मिलेगी। परंतु यह बात सत्य नहीं है। भाग्य भी उसी का साथ देता है, जो परिश्रमी होता है। परिश्रम करो, पर फल की इच्छा मत करो। इस बात को सदैव याद रखो। परिश्रम के साथ ईमानदारी का होना भी आवश्यक है। परिश्रम करने से जब सफलता मिले तब अभिमान मत करो।

प्रश्न 1. जीवन में हमें सफलता प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

(i) परिश्रम ☐ (ii) पढ़ाई ☐ (iii) व्यायाम ☐

प्रश्न 2. परिश्रम नहीं करने पर क्या सहना पड़ता है?

प्रश्न 3. भाग्य किसका साथ देता है?

प्रश्न 4. इस गद्यांश का एक अच्छा-सा शीर्षक दीजिए।

(झ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए—

1. मेरी प्रिय पुस्तक, 2. मेरा प्यारा देश, 3. मेरा विद्यालय, 4. होली।

An imprint of Vidya Prakashan Mandir (P) Ltd.

व्याकरण सुमन

भाषा विचार-विनिमय व अभिव्यक्ति का माध्यम है। हिन्दी जनसंपर्क की एक सशक्त भाषा के रूप में उभरी है। उसी भाषा को प्रभावी माना जाता है जो व्याकरण के नियमों का पालन करती हो। अतः प्राथमिक स्तर पर व्याकरण की एक ऐसी पुस्तक की आवश्यकता है, जो हिन्दी व्याकरण के जटिल नियमों को सरल, सरस व आकलन योग्य बना सके तथा उसकी बारीकियों का समुचित ज्ञान करा सके। इस चुनौती को ध्यान में रखकर इस शृंखला की रचना की गयी है।

शृंखला की मुख्य विशेषताएँ निम्नवत् हैं—

- स्तरानुकूल सरल से कठिन की ओर बढ़ता ज्ञान।
- सरल भाषा, आकर्षक चित्र तथा दैनिक जीवन से जुड़े उद्धरण।
- खेल–खेल में व्यावहारिक भाषा के माध्यम से व्याकरण के नियमों का सहज ज्ञान।
- स्वयं प्रयोग से सीखने पर बल।

प्रत्येक प्रकरण से बच्चे जो कुछ सीख पाए, उसका आकलन करने के लिए 'अभ्यास' शीर्षक के अन्तर्गत विविध प्रश्नों का समावेश किया गया है। यह शृंखला अब तक चली आ रही व्याकरण-नियम की रटंत-विद्या से मुक्ति दिलाने में अवश्य ही मील का पत्थर सिद्ध होगी। हमें आशा है कि यह पुस्तक-शृंखला विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी व अध्यापकगणों के लिए सहज स्वीकार्य होगी।

BRILLIANT BOOKS

ISBN 978938960